हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 313 | बेमेतरा, सोमवार 30 जून 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

पहला कॉलम

दो बसों की टक्कर से लगी भीषण आग में 37 की मौत, राष्ट्रपति हसन ने जताया शोक

तंजानिया। उत्तरी तंजानिया के सुदूर इलाके में दो बसों के टकराने और उनमें आग लगने से 37 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस दुर्घटना में कम से कम 37 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए। बसों के बीच यह टक्कर शनिवार शाम को किलिमंजारो क्षेत्र में मोशी-तांगा राजमार्ग के पास सबसाबा इलाके में हुई। पीड़ितों की पहचान और राष्ट्रीयता का पता नहीं चल सका है। हसन की ओर से जारी बयान में कहा गया, '' मैं किलिमंजारो क्षेत्रीय आयुक्त नूरदीन बाबू, शोक संतप्त परिवारों, रिश्तेदारों और दोस्तों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। ईश्वर इस कठिन समय में उनके परिवारों को सांत्वना दें और शक्ति प्रदान करें।''

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ तेजस्वी ने भरी हुंकार, बोले- यह देश किसी के बाप का नहीं

पटना। पटना के गांधी मैदान में शनिवार को वक्फसंशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने 'वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी रैली में शामिल हुए और मंच से भाजपा सरकार पर जमकर गरजे। तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा, 'यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों के लोगों, चाहे वह हिंदू हों, मुसलमान हों, सिख हों या ईसाई, सभी के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। हिंदुस्तान की सरजमीं का हर इंच और इतिहास का हर पन्ना इस बात की गवाही देता है कि यह देश हम सबका है।'

बादल फटने से उत्तरकांशी में 2 मजदूरों की मौत, चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए स्थगित

नईदिल्ली। उत्तराखंड में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और भूस्खलन की घटनाओं ने एक बार फिर कहर बरपाया है। रविवार तड़के उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिलाई बैंड के पास बादल फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 2 मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 9 अन्य अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आशंका के मद्देनजर, राज्य सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी और भूस्खलन के जोखिमों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक निर्माणाधीन होटल के कैंप में लगभग 19 मजदूर रुके हुए थे। बादल फटने से आए मलबे में 9 मजदूर बह गए, जबकि 10 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। लापता मजदूरों की तलाश जारी है।

'मन की बात' में बोले पीएम मोदी

सामाजिक सुरक्षा के दायरे में 95 करोड़ लोग

नईदिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि करीब 95 करोड़ लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना से लाभान्वित हो रहे हैं, जबकि 2015 तक सरकारी योजनाएं 25 करोड़ से भी कम लोगों तक पहुंची थीं। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' रेडियो प्रसारण में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से अधिक आबादी को किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल रहा है। मोदी ने कहा, फिलहाल भारत की अधिकांश आबादी किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा लाभ उठा रही है और हाल ही में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक बहुत ही महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से अधिक आबादी अब निश्चित रूप से किसी न किसी प्रकार के सामाजिक सुरक्षा लाभ का लाभ उठा रही है।

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के मामले में ये दुनिया की सबसे बड़ी कवरेज में से एक है। मोदी ने कहा, आज देश के लगभग 95 करोड़ लोग किसी-न-किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं, जबकि, 2015 तक 25 करोड़ से भी कम लोगों तक सरकारी योजनाएं पहुँच पाती थीं।'' उन्होंने

कहा कि स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक, देश हर क्षेत्र में परिपूर्णता की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा, यह सामाजिक न्याय की भी एक बेहतरीन तस्वीर है। इन सफलताओं ने यह विश्वास जगाया है कि आने वाला समय और भी बेहतर होगा; भारत हर कदम पर और भी मजबूत होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भारत को 'ट्रेकोमा' मुक्त घोषित किए जाने को भी उल्लेखनीय उपलब्धि बताया और इस सफलता के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। ट्रेकोमा एक अत्यधिक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है, जो दृष्टिहीनता का एक प्रमुख कारण रहा है। मोदी ने अपने कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक यात्राओं पर जाने वाले सभी भाग्यशाली श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं भी दीं।

उन्होंने कहा, मैं उन लोगों की भी सराहना करता हूं जो सेवा की भावना के साथ इन यात्राओं को सफल व सुरक्षित बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे भारत में व्यक्ति और समुदाय परिवर्तन के उत्प्रेरक बन रहे हैं। मोदी ने कहा कि संरक्षण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता न केवल प्रकृति की बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की भी रक्षा कर रही है। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि वियतनाम के लोगों ने भगवान बुद्ध के अवशेषों के दर्शन की सुविधा प्रदान करने के लिए भारत के प्रति गहरा आभार जताया है।

विपक्षी दबाव के आगे बेबस हुई फडणवीस सरकार

हिंदी अनिवार्य करने का फैसला किया रद्द

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पहली कक्षा से हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाने का अपना फैसला वापस ले लिया है। यह निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के ज़रिए किया। उन्होंने बताया कि सरकार अब इस मुद्दे पर एक विशेष समिति का गठन करेगी, जो त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

विवाद के बाद फैसला बदला- सरकार के पहले लिए गए फैसले के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पहली कक्षा से ही हिंदी को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाना था। लेकिन जैसे ही यह निर्णय सामने आया, राज्यभर में इसका विरोध शुरू हो गया। विशेष रूप से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने 5 जुलाई को एक बड़े मोर्चे की घोषणा कर दी थी। इसके बाद सरकार ने अपने निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए दोनों सरकारी आदेशों (16 अप्रैल 2025 और 17 जून 2025) को रद्द कर दिया।

कांग्रेस छात्र परिषद (छात्र विंग) ने कोलकाता में साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज बलात्कार की घटना के खिलाफ परिसर के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान सड़क को अवरुद्ध कर दिया।

कर्नाटक की राजनीति में बड़ी हलचल

डीके शिवकुमार बन सकते हैं नए मुख्यमंत्री - दिग्गज नेता का बड़ा दावा

नईदिल्ली। कर्नाटक की राजनीति में इन दिनों हलचल मची हुई है। कांग्रेस सरकार के भीतर एक नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें ज़ोर पकड़ रही हैं। इस चर्चा को और हवा मिली जब कांग्रेस के दिग्गज नेता विधायक एच. ए. इकबाल हुसैन ने रविवार, 29 जून 2025 को दावा किया कि डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों के भीतर मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिल सकता है। विधायक हुसैन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना पहले ही सितंबर के बाद राजनीतिक बदलाव के संकेत दे चुके हैं। इसके बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज़ हो गई है कि क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कुर्सी अब डगमगा रही है। विधायक इकबाल हुसैन ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस की 2023 की ऐतिहासिक जीत में डीके शिवकुमार की रणनीति और मेहनत का बड़ा हाथ रहा है। उन्होंने साफ़ कहा, हर कोई जानता है कि इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष किया और किसने पसीना बहाया।

कोलकाता गैंगरेप आरोपी पर हुआ बड़ा खुलासा

पहले भी कई लड़कियों से छेड़छाड़ के आरोप, पूर्व क्लासमैट ने खोली पोल

कोलकाता/एजेंसी

कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप मामले में अब कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। इस केस के मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा के पुराने सहपाठी तितास मन्ना ने इंडिया टीवी से खास बातचीत में उसके आपराधिक इतिहास का खुलासा किया है।

पहले भी लग चुके हैं छेड़छाड़ और हमले के आरोप : तितास मन्ना के मुताबिक, मनोजीत मिश्रा, जो कभी तृणमूल कांग्रेस का छात्र नेता रह चुका है,

पहले भी कई बार विवादों में रह चुका है। 2012 में कॉलेज में दाखिला लेने के बाद, उस पर कालीघाट इलाके में चाकू से हमला करने का आरोप भी लगा था। इसके बाद वह कुछ वर्षों तक गायब रहा। फिर 2018 में उसने फिर से कॉलेज में एडमिशन लिया। 2019 और 2022 में कॉलेज की दो छात्राओं ने उसके खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायतें दर्ज करवाई थीं। यह साफ दर्शाता है कि उसके खिलाफ लड़कियों से दुर्व्यवहार के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

गुंडों के साथ घूमा करता था मनोजीत : कॉलेज में पढ़ने वाले अन्य छात्रों ने भी मनोजीत के बारे में बताया कि वह अक्सर लोकल गुंडों के साथ घूमता था और कॉलेज के स्टाफ और छात्रों को धमकाता और डराता रहता था। यहां तक कि उसने एक बार कॉलेज के वाइस प्रिंसिपल को भी धमकाया था। उसका व्यवहार हमेशा से हिंसक और डराने वाला रहा है।

'जहां झुग्गी, वहां मकान' नहीं, 'जहां झुग्गी, वहां मैदान'

केजरीवाल ने मोदी की गारंटी को कहा फर्जी और झूठी

नईदिल्ली/एजेंसी

दिल्ली में झुग्गियों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने रविवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज, संजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस प्रदर्शन में केजरीवाल ने जमकर मोदी सरकार पर हमला बोला।

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि बीजेपी ने गरीबों की झुग्गियां तोड़कर उनकी रोजी-रोटी छीन ली। जो लोग झुग्गी में रहते हैं वे उसके आस-पास ही नौकरीया करते हैं। झुग्गीयों के टूटने से रोजगार चला जाता है। उन्होंने एक तरह से आपको बहुत बड़ी मुसीबत में डाल दिया है।

'जहां झुग्गी, वहां मकान' नहीं, 'जहां झुग्गी, वहां मैदान' : केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मोदी की गारंटी झूठी साबित हुई है। उन्होंने कहा था कि 'जहां झुग्गी, वहां मकान...' लेकिन उसका मतलब यह था कि 'जहां झुग्गी, वहां मैदान...'। चुनाव से पहले बीजेपी के नेता आपकी झुग्गी बस्तियों में रातें गुजारते थे, अब वही बस्तियां उजाड़ी जा रही हैं।

ये दिल्ली की हर झुग्गी मिटाना चाहते हैं : केजरीवाल : अरविंद केजरीवाल ने कहा, अगर गरीबों की झुग्गियां उजाड़ दी गईं, तो दिल्ली कैसे चलेगी? रसोइया, ड्राइवर, सिक्योरिटी गार्ड, ऑटो

चालक, अखबार और दूध पहुंचाने वाले, ये सभी झुग्गियों में रहते हैं। बीजेपी की योजना दिल्ली की हर झुग्गी खत्म करने की है। करीब 40 लाख लोग इन बस्तियों में रहते हैं। सभी एकजुट हो जाओ, जिस दिन आप सड़कों पर आ गए, सरकार की मुश्किलें बढ़ जाएगी।

पूर्व सीएम केजरीवाल ने बीजेपी और कांग्रेस पर एक साथ हमला बोलते हुए कहा कि, 'सारे इंजन तुम्हारे हैं। पांच महीने पहले हम एक व्यवस्थित दिल्ली छोड़कर गए थे। लेकिन 75 सालों में किसी ने न तो पानी का इंतज़ाम किया, न बिजली का। बीजेपी और कांग्रेस केवल लूटने के इरादे से आती हैं। बीजेपी-कांग्रेस दोनों बहन-भाई ही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'दिल्ली में करीब 40 लाख लोग झुग्गियों में रहते हैं। अब समय आ गया है कि सभी लोग एकजुट हों, ताकि कोई आपकी झुग्गियां तोड़ने की हिम्मत न कर सके।' उन्होंने मंच से लोगों को बीजेपी और कांग्रेस को वोट न देने की शपथ भी दिलाई और कहा, मैं आज ये कसम खाता हूं कि अब कभी भी बीजेपी या कांग्रेस को वोट नहीं दूंगा।

जगन्नाथ यात्रा में भगदड़ से मची अफरा-तफरी

3 लोगों की मौत के बाद ओडिशा के सीएम ने मांगी माफी

पुरी/एजेंसी

ओडिशा के पुरी में चल रही ऐतिहासिक जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान श्रीगुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत और कई अन्य के घायल होने के बाद राज्य में शोक की लहर फैल गई है। इस दुखद घटना पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है और जांच के आदेश दिए हैं।

दम घुटने से हुई मौतें, सरकार कराएगी जांच : ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि भगदड़ में जान गंवाने वाले तीनों पीड़ितों की पहचान बसंती साहू, प्रेमकांत मोहंती और प्रवती दास के रूप में हुई है। हरिचंदन ने पुष्टि की कि इनकी मौत दम घुटने से हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस घटना की गहन जांच कराएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह भगदड़ रविवार सुबह करीब 4 बजे हुई जब बड़ी संख्या में भक्त श्रीगुंडिचा मंदिर के पास रथ पर सवार तीनों देवताओं के अनावरण का इंतजार कर रहे थे।

भगदड़ की वजह और भीड़ प्रबंधन पर सवाल : घटना से पहले चरमाला लकड़ी (जिसे डरावना माना जाता है) से भरे दो ट्रक सरधाबली क्षेत्र में घुस गए जिससे भक्तों की भीड़ में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति बन गई।

भगदड़ के दौरान मंदिर में कथित तौर पर मौजूद पुरी के एक निवासी ने बताया कि भीड़ प्रबंधन बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। उन्होंने दावा किया कि

वीआईपी के लिए एक नया प्रवेश द्वार बनाया गया था और आम लोगों को मंदिर से दूर से बाहर निकलने के लिए कहा गया था। हालांकि उन्होंने कहा कि लोग उसी नए प्रवेश द्वार से ही बाहर निकलने लगे जिससे वहाँ भीड़ अनियंत्रित हो गई।

सीएम माझी ने मांगी माफी, DGP कर रहे जांच : राज्य के कानून मंत्री हरिचंदन ने जानकारी दी कि ओडिशा के पुलिस महानिदेशक इस भगदड़ की जांच कर रहे हैं और उन्होंने आश्वस्त किया कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। भगदड़ के तुरंत बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए ओडिशा के डीजीपी वाईबी खुरानिया खुद गुंडिचा मंदिर पहुँचे। हरिचंदन ने एएनआई को बताया कि मौके पर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्थिति का आकलन करने के लिए अपने उप-मुख्यमंत्री के साथ बैठक की। माझी ने इस घटना के लिए राज्य सरकार की ओर से माफ़ी मांगी और कहा कि वे भगवान जगन्नाथ के भक्तों से भी माफ़ी चाहते हैं। माझी ने जान गंवाने वाले परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस घटना के पीछे सुरक्षा चूक की गहन जांच की जाएगी। माझी ने स्पष्ट कहा, यह लापरवाही अक्षम्य है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएँ।

पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने साधा निशाना : बीजू जनता दल के प्रमुख और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भगदड़ के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पटनायक ने इस घटना को रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन में घोर विफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि भगदड़ श्रद्धालुओं के लिए शांतिपूर्ण त्योहार सुनिश्चित करने में सरकार की घोर अक्षमता को उजागर करती है।

सुलो नाग ने मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में अपना कर की आर्थिक उन्नति

जगदलपुर/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक माध्यम बना है।जगदलपुर विकासखंड के ग्राम बाबूसेमरा निवासी सुलो नाग ने एनआरएलएम बिहान के तहत मां वैष्णव देवी समूह से मुर्गी पालन से जुड़े है और देशी ब्रीड की 200 मुर्गी का पालन कर रहे है। सुलो ने मुर्गी पालन को व्यवसाय के रूप में अपना कर आर्थिक उन्नति की है। वे बताती है कि तीन महीने से मुर्गी को प्रति किलो 350 से 400 रुपए की दर से बेची है जिससे 65 हजार रु की आमदनी हुई है जिसमें से खर्चा काट के 35 हजार रुपए का शुद्ध मुनाफा कमाई है।

सुलो नाग ने अपनी कमाई की राशि से मुर्गी शेड, वैक्सीन और चारा की व्यवस्था भी किए है । सुलो नाग की कहानी एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं भी अपने आजीविका को बेहतर बनाने के लिए नए अवसरों का लाभ उठा सकती हैं। सुलो ने अपने घर में पूर्व के मुर्गी और बतख पालन का अनुभव के आधार पर इस क्षेत्र में अपनी रुचि को बढ़ाया और स्व सहायता समूह के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर अपने सम्मानजनक जीवन-यापन कर सकती हैं। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), जिसे अब दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन डीएवाई-एनआरएलएम) के रूप में भी जाना जाता है, ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और आजीविका की चुनौतियों का समाधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है. इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीबों को स्थायी आजीविका के अवसर प्रदान करना और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। योजना का लक्ष्यः- ग्रामीण गरीबों को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में संगठित करके, उन्हें वित्तीय सेवाएं, आजीविका विविधीकरण और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच प्रदान करके सशक्त बनाना।यह योजना ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाती है और इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाता है। एनआरएलएम में स्वयं सहायता समूहों का गठन, बैंक लिंकेज, आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, और उद्यमिता विकास जैसे विभिन्न घटक शामिल हैं।

कौशल को और बेहतर किया। सुलो ने कहा कि महिलाएं अपने घर में रहकर भी अपने आजीविका को बेहतर बना सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर

बीडियो मैसेज वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेलिंग करने का आरोपी जेल दाखिल

दुर्ग/मूक पत्रिका

जान पहचान के चलते आपस में हुई बातचीत के बीडियो / मैसेज वायरल करने के नाम पर डरा धमकाकर दो लाख रूपये वसूलने के आरोपी को नंदनी नगर थाना पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर ने अरविन्द तिवारी को बताया विगत दिवस 27 जून को प्रार्थी थाना नंदिनी नगर जिला दुर्ग ने लिखित आवेदन पेश किया कि वर्ष 2009-2010 मे सिद्धार्थ नगर कोसा नाला भिलाई निवासी दामिनी सोनी से प्रार्थी की पहचान हुई थी ,जो आपस में बातचीत करते थे। वर्ष 2013 - 2014 मे दामिनी सोनी का विवाह हो गया था। वर्ष 2021 में दामिनी ने फेसबुक मे प्रार्थी जितेन्द्र कुमार साहू को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा था फिर मैसेज में आरोपिया दामिनी सोनी ने प्रार्थी का मोबाईल नंबर मांगा और मोबाईल फोन व वाट्सअप से बातचीत करने लगे। दोनो के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी और इसी दौरान दामिनी ने दोनो के बीच हुये बातचीत व मैसेज/चैटिंग , कॉल रिकार्ड आदि को अपने मोबाईल मे रखकर प्रार्थी द्वारा बात नही मानने पर गाली गलौज करती कर मैसेज / चैटिंग , कॉल रिकार्ड तथा बीडियो रिकार्ड सभी रिश्तेदार व पब्लिक में वायरल करने की धमकी देती एवं अलग से घर और हर महीने आधा पेंमेंट मांगने लगी। जिससे प्रार्थी परेशान होकर दामिनी सोनी से मिलना जुलना और बातचीत करना बंद कर दिया था। दामिनी सोनी और उसका जीजा चिंटू उर्फ मोहम्मद असलम प्रार्थी को धमकी देकर डरा धमकाकर लगभग दो लाख रूपये ले चुके थे। फिर भी दामिनी सोनी और चिंटू उर्फ मोहम्मद असलम बार - बार बीडियो वायरल करने , उसे बरबाद करने व देख लेने की धमकी देकर पैसो का मांग करते थे। इसी कड़ी में 07 सितम्बर 2024 को शाम लगभग सात बजे दामिनी सोनी अपने जीजा चिंटू उर्फ मोहम्मद असलम के साथ प्रार्थी के घर ग्राम पथरिया आकर पैसे की मांग कर जान से मारने की धमकी देने लगे। जिसके लिखित आवेदन पर थाना नंदिनी नगर मे अपराध क्रमांक 145/2025 धारा 308(2) , 3(5) बीएनएस कायम किया गया। विवेचना के दौरान थाना नंदनी नगर पुलिस ने आज आरोपी चिंटू उर्फ असलम को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। वहीं इस प्रकरण की अन्य आरोपिया दामिनी सोनी घटना के बाद से फरार है , जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

ठेकेदार पर लगाया गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य का आरोप

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत बांगापाल पोटाकेबिन में ठेकेदार द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम सभा को बिना सूचना दिए मनमाने तरीके से कार्य करने का आरोप लगाया है। ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच, पंचगण एवं शाला प्रबंधन समिति ने कहा कि पोटाकेबिन के खेल ग्राउंड पर ठेकेदार द्वारा जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम सभा को बिना सूचना दिए निर्माण कार्यों को किया जा रहा है।अगर खेल ग्राउंड में ही निर्माण कार्य होगा तो बच्चे खेलेंगे कहा,सभी निर्माण कार्यों में घटिया क्वालिटी की ईट, सीमेंट एवं कालम टेड़ी मैडी है। निर्माण कार्यों में सही तरीके से सीमेंट मसाला नहीं बनाया गया है। प्लास्टर दीवार को छूने से ही दीवार से सीमेंट निकल कर गिर रहा है। बांगापाल पोटाकेबिन में जो भी निर्माण कार्य हुए हैं वो सभी गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य हुए हैं । सरपंच, उपसरपंच एवं शाला प्रबंधन समिति ने कहा कि हमारे ग्राम पंचायत में ही निर्माण कार्य हो रहे हैं और हमें ही नही पूछा जा रहा है यदि यही रवैया रहा तोहम सभी ग्राम पंचायतवासी पोटाकेबिन बांगापाल में किसी भी तरह के कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं होगे । इस अवसर पर सरपंच फूलमती हपका,उपसरपंच विमलेश समरथ, राजु कुंजाम निर्माण कार्य सभापति एवं ग्राम पंच, श्रीमती चेनेश्वरी हपका एवं संतोष कुंजाम अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति बांगापाल पोटाकेबिन, दिनेश हपका भूतपूर्व सरपंच, दसरू राम वेट्टी, सोनारू हपका,महेश कड़ेयारी एवं मनीष हपका उपस्थित रहे।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस द्वारा नशा मुक्ति की शपथ, जिले भर में जागरूकता अभियान जारी

बेमेतरा पुलिस का संदेश – जनभागीदारी ही नशा मुक्त समाज की नींव। आइए, हम सब मिलकर इस सामाजिक बुराई को जड़ से करें खत्म

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा नशा मुक्ति की शपथ और जिले भर में जागरूकता अभियान की शुरूआत किया गया हैं। जिसके तहत बीते 28 जून 2025 को थाना प्रभारी परपोडी उप निरीक्षक डी.एल. सोना, सउनि सुरेश सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक डामेश्वर सिंह एवं अन्य स्टाफ और थाना परपोडी परिसर में आस-पास ग्रामीण अंचल से आये ग्रामीण जन ÷नशा मुक्त जीवन÷ की शपथ ली और सभी उपस्थितजन ने ÷जिंदगी को हाँ, नशे को ना÷ का संकल्प लेते हुए नशीली दवाओं के सेवन से दूर रहने और समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस दौरान ग्रामीण अंचल से आये ग्रामीण जन को बताया कि नशा न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक रूप से भी व्यक्ति और परिवार को नुकसान पहुँचाता है।

सभी को समाज में नशे के खिलाफ सशक्त संदेश देने तथा दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। बेमेतरा पुलिस द्वारा जिले भर में नशा विरोधी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया जा रहा है। बेमेतरा पुलिस का संदेश है ÷जनभागीदारी ही नशा मुक्त समाज की नींव है। आइए, हम सब मिलकर इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करें।÷

सागौन तस्कर मुकेश कुमार शाहा और रमेश शोरी गिरफ्तार; पिकअप जब्त कर अग्रिम कार्यवाही के लिए वन विभाग को सौंपा

नारायणपुर /मूक पत्रिका

थाना कुरुषनार पुलिस ने सागौन तस्करी के मामले का खुलासा करते हुए सागौन तस्कर मुकेश कुमार शाहा और रमेश शोरी को चेकिंग दौरान हिरासत में लिया है। दोनों आरोपी मिलकर अवैध रूप से सागौन लकड़ी की तस्करी करते और इसे जिला मुख्यालय नारायणपुर के बढ़ई को ऊँचे दामों पर बेचा करते थे। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन को जब्त कर वन अधिनियम की धारा 52 (2) के तहत अग्रिम कार्यवाही के लिए वन विभाग के सुपुर्द किया गया है।

बड़ेराजपुर ब्लॉक स्तरीय गम्हरी में शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए कांकेर लोकसभा भोजराज नाग एवं केशकाल विधानसभा विधायक, विधायक नीलकंठ टेकाम

- अतिथि के रूप में पहुंचे सासंद एवं विधायक का स्वागत भव्य रूप से मांदरी नृत्य से किया गया

कांकेर /मूक पत्रिका

तत्पश्चात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मुख्य अतिथि के साथ सभी जनप्रतिनिधियों कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से शुरूवात किया गया। विधायक एवं सांसद के द्वारा नव शाला प्रवेशी बच्चों को फूलमाला पहनाकर ,पुस्तकें एवं गणवेश का वितरण भी किया शाला प्रवेश उत्सव समारोह के उद्बोधन में विधायक टेकाम के द्वारा शिक्षा को लेकर बहुत उत्साहित होकर पढ़ाई में ध्यान लगाकर अध्ययन करने को कहा । शाला प्रवेश उत्सव में विधायक नीलकंठ टेकाम ने अपने उद्बोधन से उपस्थित शिक्षकों को बच्चों पर विशेष ध्यान देखकर बच्चों की उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया। शाला प्रवेश उत्सव में उन्होंने शिक्षकों को अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि सिर्फ शिक्षा नही शिक्षा के साथ नैतिक निर्णय लेने वाली शिक्षा भी बच्चों को दी जानी चाहिए। नीलकंठ टेकाम के द्वारा हाई स्कूल में कृषि संकाय के लिए कृषि करने हेतु बोरवेल की व्यवस्था करने का एवं कन्या आश्रम गम्हरी में 100 सीट करने का भी आश्वासन दिया गया। छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों को उत्साहपूर्वक तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका स्वागत किया और निःशुल्क गणवेश, पाठ्य-पुस्तक, बैग, निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस जिला अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सेवक नेताम , जिला कोंडागांव पंचायत उपाध्यक्ष हीरासिंह मरकाम, जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष समेत सभी देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे ,इलाके के सरपंच छात्र छात्रों के साथ शिक्षक शिक्षिकाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

मन की बात कार्यक्रम का 123 वां संस्करण विधायक चैतराम अटामी व जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ देखा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

भाजपा बचेली मण्डल बूथ क्रमांक 137 में विश्व के लोकप्रिय नेता एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहुप्रतीक्षित मन की बात कार्यक्रम का 123 वां संस्करण का प्रसारण भाजपा जिलाध्यक्ष दंतेवाड़ा संतोष गुप्ता की उपस्थिति में स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ताओ के द्वारा देखा गया साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता व विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी ने दंतेवाड़ा मंडल के शक्तिकेंद्र चितालुर के बूथ क्रमांक 153 में उपस्थित होकर भाजपा पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण देखा 7 कार्यक्रम के पश्चात एक पेड़ माँ के नाम के तहत विधायक चैतराम अटामी ने कार्यकर्ताओं के साथ वृक्षारोपण भी किया 7 विधायक चैतराम अटामी ने कहा की मन की बात कार्यक्रम न केवल एक संवाद का माध्यम है, बल्कि यह हमारे देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक चेतना को जागृत करने का एक सशक्त प्रयास भी है।भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी जी की ÷मन की बात÷ कार्यक्रम हमें प्रेरणा देती है कि हम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएँ। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के रूप में, हमें इन विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है और समाज में जागरूकता फैलानी है 7 इस दौरान भाजपा पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

अत्यंत संवेदनशील और झकझोर देने वाला मामला सामने आया

जातीय उत्पीड़न से टूटे परिवार ने राष्ट्रपति से मांगी इच्छा मृत्यु की अनुमति, प्रशासनिक चुप्पी पर उबाल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ज़िले के मोहतरा(ख) गांव से एक अत्यंत संवेदनशील और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां सतनामी समाज से आने वाले एक भूमिहीन परिवार ने लगातार 14 वर्षों से जातीय उत्पीड़न और प्रशासनिक उपेक्षा से त्रस्त होकर सामूहिक इच्छा मृत्यु की मांग की है। पीड़ित शामदास सतनामी ने अपने 17 सदस्यीय परिवार के साथ कलेक्टोरेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम जिला प्रशासन को पत्र सौंपा और इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी।

पीड़ा की कहानी - 14 वर्षों की यातना

शामदास सतनामी का कहना है कि वर्ष 2009 में तत्कालीन सरपंच व उपसरपंच ने उनसे 50,000 रुपये लेकर उन्हें गांव से दूर शासकीय ज़मीन पर बसाया था। वहां उन्होंने कठिन परिश्रम कर जीवन की नई शुरुआत की, लेकिन 2011 में जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त ग्रामीणों ने उनका मकान जला दिया और सामान लूट लिया। 2019 में उन्हें सार्वजनिक रूप से अर्धनग्न घुमाया गया और खंडसरा चौकी पुलिस की उपस्थिति में जबरन गांव वालों से माफी मंगवाई गई। बच्चे मानसिक आघात के चलते सखी सेंटर भेजे गए। कई बार उजड़ने के बाद उन्होंने पुनः झोपड़ी बनाकर वहीं रहना शुरू किया, लेकिन 18 जून 2025 को बारिश के बीच प्रशासन ने पुलिस बल और ग्रामीणों की मौजूदगी में उनकी झोपड़ी जेसीबी से ढहा दी। उन्हें बेघर कर दिया गया और बिजली-पानी की सुविधाएं भी समाप्त कर दी गईं।

हर दिन मरते हैं, अब कृपया इच्छा मृत्यु दे दीजिए

शामदास सतनामी का कहना है कि हम हर दिन अपने वजूद को मरते हुए देख रहे हैं। जब जमीन, घर, समाज और शासन किसी भी स्तर पर न्याय नहीं दे पा रहा, तो कृपया हमें और हमारे बच्चों को इच्छा मृत्यु की अनुमति दी जाए।÷

प्रशासन मौन, समाज में आक्रोश

पूरे घटनाक्रम पर जिला प्रशासन की चुप्पी बनी हुई है। वहीं प्रगतिशील सतनामी समाज ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय नहीं मिला तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। यह मामला न केवल प्रशासनिक संवेदनहीनता को उजागर करता है।

बल्कि यह भी सवाल खड़े करता है कि अमृतकाल में सामाजिक न्याय की अवधारणा कितनी साकार हो पाई है।

गाँव-गाँव पहुँच रही सरकार की योजनाएं, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ओड़गी विकासखंड के दूरस्थ ग्रामों में जनचौपाल लगाकर सुनीं जनता की समस्याएं

सुरजपुर/मूक पत्रिका

- महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ÷गांव बस्ती चलो अभियान÷ के अंतर्गत बीते रविवार को विकासखंड ओड़गी के दूरस्थ ग्राम में पहुंची। उन्होंने लांजीत, मयूर धक्की और चिकनी ग्राम में जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जनसमुदाय की समस्याएं सुनकर मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए ।उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश दिया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने चौपाल में बरसात के मौसम में स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने की भी हिदायत दी। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि शासन की हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम मयूर धक्की में ग्रामीणों की मांग पर एक लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण की घोषणा की, जिससे गांव के सामुदायिक कार्यों को प्रोत्साहन मिलेगा।

चौपाल में मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में चल रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और बताया कि सरकार ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए समर्पित है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य बाबूलाल सिंह मरापो, देवशरण सिंह, जनपद सदस्य प्रतिनिधि, सरपंच सुभाग सिंह, श्रीमती रामबाई, धरम सिंह आयाम, बलराम सोनी, प्रदेश किशोर न्याय बोर्ड सदस्य शिवकुमार राजवाड़े, मंडल उपाध्यक्ष प्रियांशु यादव, उमेश्वर गुर्जर, प्रवीण गुर्जर, अजेंद्र गुर्जर, सूरज कुशवाहा, तहसीलदार, जनपद सीईओ, तथा अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू के निर्देशन पर बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही जारी

सायबर सेल बेमेतरा एवं नांदघाट थाना पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

आबकारी एक्ट के एक प्रकरण में एक आरोपी के कब्जे से 110 पौवा देशी मशाला/ अंग्रेजी शराब जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, डीएसपी संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो,

सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में बीते 28 जून 2025 को थाना नांदघाट स्टाफको जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि एक मोटर सायकल में अवैध रूप से शराब रखकर परिवहन कर ग्राम टेमरी से नेशनल हाईवे रोड की ओर आ रहा है कि सूचना पर थाना नांदघाट एवं सायबर सेल टीम सूचना के अधार पर ग्राम टेमरी मिनी स्टेडियम के पास पहुच कर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री हेतु परिवहन करते पकडा गया। आरोपी हरीश बांधे पिता रेखचंद बांधे उम्र 25 वर्ष, निवासी रवेली थाना चंदनू जिला बेमेतरा के कब्जे से एक विमल पान मशाला का कपडे का थैला में रखा 60 पौवा देशी मशाला एवं 50 पौवा अंग्रेजी शराब, कुल 110 पौवा देशी मसाला / अंग्रेजी शराब (19,800द्रव्य) किमती 12,,000/- रूपये एवं परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल सीजी 25 एच 3848 कीमती 30,000/- रूपये, कुल जुमला 42,000/- रूपये को धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत वैधानिक कार्यवाही किया गया। उक्त कार्यवाही में सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी नांदघाट उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव, सउनि यागेश्वर देशमुख, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवारी, आरक्षक संजय पाटिल, रेखन साहू, महेन्द्र वर्मा, बालमुकुंद सिंह, आकाश सिंह एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भुमिका रही।

राजकुमार पब्लिक स्कूल ने लागू किया महत्वाकांक्षी योजना

सुरजपुर/मूक पत्रिका

जिले की एक प्रतिष्ठित संस्था राजकुमार पब्लिक स्कूल शिवनंदनपुर ने अपने 25 वर्ष के कामयाब सफर तय करने के उपलक्ष पर दो महत्वाकांक्षी योजनाएं ÷राजकुमार आर्थिक सहायता योजना (आरएएसवाई)2025÷ एवं ÷राजकुमार मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना (आरएमसीपीवाई) 2025÷ लागू किया, जिसमें क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे अभिभावक जिनके बच्चे का शासन की योजना आरटीई के तहत सीट फुल हो जाने के कारण किसी भी विद्यालय में प्रवेश नहीं हो सका तथा इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावकों के बच्चों को किसी भी कक्षा में प्रवेश के लिए स्कूल फीस में 30त्न की भारी छूट देकर आर्थिक सहायता देने का एक सराहनीय फैसला किया है। दूसरे योजना के तहत ऐसी कोई भी छात्र जो कक्षा नवमी एवं 11वीं में 98त्न या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें प्रत्येक महीने 500 मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत छात्रवृत्ति देने की योजना लागू की गई है। निश्चित रूप से संस्था का यह कदम क्षेत्र के नागरिकों को अपने बच्चों को सीधे तौर पर शिक्षा जगत से जोड़ने में एक बेहतर कड़ी साबित होगा। इस योजना के लागू किए जाने पर क्षेत्र के नागरिक उत्साहित होकर समिति के अध्यक्ष राजेश यादव एवं सचिव राजीव यादव की सराहना कर रहे हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर का रायपुर प्रवास, छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय के साथ सभी प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में सम्मलित हुवे

महिला और बाल विकास के क्षेत्र में योजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा, बालिका गृह और नारी निकेतन का निरीक्षण

सुरजपुर/मूक पत्रिका

भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर बीते रविवार को एकदिवसीय रायपुर प्रवास पर रहीं। उनके इस दौरे में छत्तीसगढ़ राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की विशेष सहभागिता रही। प्रवास के दौरान मंत्री श्रीमती ठाकुर ने विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए राज्य में महिला और बाल कल्याण के कार्यों की स्थिति का अवलोकन किया। रायपुर स्थित पहुना भवन में केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर और राज्य मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के बीच सौजन्य भेंट हुई। इस अवसर पर दोनों मंत्रियों के बीच केंद्र और राज्य सरकार की समन्वित योजनाओं, खासकर महिला सशक्तिकरण, बाल अधिकारों की सुरक्षा, और पोषण अभियान की प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इसके उपरांत, मंत्री द्वय ने मौलश्री विहार जाकर निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने खम्हारडीह स्थित शासकीय बालिका गृह एवं शासकीय नारी निकेतन का निरीक्षण भी किया। राज्य मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, छत्तीसगढ़ राज्य बाल आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा, और विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में उन्होंने वहां की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों और महिलाओं से संवाद कर उनके रहन-सहन, सुरक्षा, और सुविधाओं की जानकारी ली तथा परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

निशुल्क खंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर हाट बाजार बीजापुर में आयोजित

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय में आयुष अधिकारी डॉ0 राकेश कुमार गमूर के मार्गदर्शन में माता मावली हाट बाजार बीजापुर में खण्डस्तरीय आयुष स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग,पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार और वार्ड पार्षद संजय गुप्ता उपस्थित रहे ।जनप्रतिनिधियों द्वारा भगवान धन्वन्तरी एवं सेम्युल हनीमन के फेटो पर पुष्पमाला एवं दीप प्रज्वलन कर शिविर का उद्?घाटन किया गया। शिविर में आये हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क औषधि वितरण किया गया।डॉ सीताराम जेना, विकास जायसवाल, जयश्री खेडकर जीवनलाल दरो प्रभारी सहित डा0 हरीश कुमार केशरवानी, ज्ञानेद्र? सिंग परिहार एवं मधुबाला रामटेके का विशेष सहयोग रहा।

ग्राम गम्हरी में ब्लाक स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम और कांकेर सांसद भोजराज नाग

फरसगांव/विश्रामपुरी/मूक पत्रिका

कोंडागांव जिले के बड़ेराजपुर ब्लॉक स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे ग्राम पंचायत गम्हरी में शनिवार को मुख्य अतिथि के रुप में भोजराज नाग एवं नीलकंठ टेकाम शामिल हुए , शिक्षा विभाग के द्वारा मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों का मांदरी नृत्य करते हुए फुल माला से भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर मुख्य अतिथि के साथ सभी जनप्रतिनिधियों कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन से शुरूवात किया गया। कांकेर लोकसभा के सांसद भोजराज नाग के द्वारा नव शाला प्रवेशी बच्चों को फूलमाला पहनाकर ,पुस्तकें एवं गणवेश का वितरण भी किया शाला प्रवेश उत्सव समारोह के उद्घोधन में सांसद भोजराज नाग के द्वारा शिक्षा को लेकर बहुत उत्साहित होकर पढ़ाई में ध्यान लगाकर अध्ययन करने को कहा । शाला प्रवेश उत्सव में विधायक नीलकंठ टेकाम ने अपने उद्बोधन से उपस्थित शिक्षकों को बच्चों पर विशेष ध्यान देखकर बच्चों की उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया। शाला प्रवेश उत्सव में उन्होंने शिक्षकों को अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि सिर्फ शिक्षा नही शिक्षा के साथ नैतिक निर्णय लेने वाली शिक्षा भी बच्चों को दी जानी चाहिए। नीलकंठ टीकम के द्वारा हाई स्कूल में कृषि संकाय के लिए कृषि करने हेतु बोरवेल की व्यवस्था करने का एवं कन्या आश्रम गम्हरी में 100 सीट करने का भी आश्वासन दिया गया। छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए । कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने नवप्रवेशी बच्चों को उत्साहपूर्वक तिलक लगाकर एवं मिष्ठान खिलाकर उनका स्वागत किया और निःशुल्क गणवेश, पाठ्य-पुस्तक, बैग, साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर कि केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, जिला अध्यक्ष सेवक नेताम , उपाध्यक्ष हीरालाल मरकाम, जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष समेत सभी इलाकों के सरपंच छात्र छात्रों के साथ बीईओ, बीआरसी,संकुल समन्वयक, शिक्षक शिक्षिकाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी और प्राथमिक शाला का औचक निरीक्ष

सुरजपुर/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर के पंच मंदिर वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र और शासकीय प्राथमिक शाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आंगनबाड़ी में बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार की गुणवत्ता, टीकाकरण और पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग की जांच की गई। मंत्री ने कुपोषण से जूझ रहे बच्चों की नियमित निगरानी और गुणवत्तापूर्ण आहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राथमिक शाला में उन्होंने शिक्षकों से पाठ्यक्रम, मध्याह्न भोजन और पुस्तक वितरण की जानकारी ली। बच्चों से संवाद कर उनकी पढ़ाई और सपनों को जाना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मजबूत बचपन ही सशक्त भविष्य की नींव है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बाल विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बीईओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मोर छईंहा भुइंया 2 के हीरो दीपक साहू और हीरोइन एल्सा घोष की हिट जोड़ी की शानदार एंट्री

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी फिल्म मैं राजा तैं मोर रानी रिलीज होगी 4 जुलाई को

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की बहुप्रतीक्षित और चर्चित फिल्म ÷मैं राजा तैं मोर रानी÷ का प्रदर्शन आगामी 4 जुलाई को पूरे प्रदेश के साथ-साथ चांपा के मुकुंद मल्टीप्लेक्स और पद्मिनी टॉकीज़ में भव्य रूप से किया जाएगा। मोहन सुंदरानी प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के निर्माता विजय सुंदरानी हैं। कथा, पटकथा व संवाद-निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ हैं। सह-निर्माता हैं हितेन्द्र सुंदरानी और कार्यकारी निर्माता के रूप में छत्तीसगढ़ के सबसे युवा निर्माता निखिल सुंदरानी 7 इस फिल्म के निर्माण में बीते एक वर्ष तक कठिन परिश्रम कर इसे साकार किया है। यह फिल्म प्रदेश के सभी प्रमुख सिनेमाघरों और मल्टीप्लेक्स में एक साथ 72 से अधिक स्क्रीन पर प्रदर्शित की जाएगी। पत्रकार वार्ता में फिल्म के निर्माता विजय सुंदरानी ने बताया कि ÷मैं राजा तैं मोर रानी÷ एक नई कहानी और नए संगीत के साथ छत्तीसगढ़ी सिनेमा को एक नया मोड़ देगी। इस फिल्म में छत्तीसगढ़ फिल्म

इंडस्ट्री के सुपरस्टार अभिनेता दीपक साहू और सभी दिलों की धड़कन, चुलबुली अभिनेत्री एल्सा घोष की हिट जोड़ी एक बार फिर से दर्शकों को लुभाने के लिए पर्दे पर वापस आ रही है।

फिल्म में सहयोगी कलाकारों के रूप में मनोज जोशी, अंजलि सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह ठाकुर, अंशुल अवस्थी , मोहन चौहान, प्रकाश, क्रांति दीक्षित, पप्पू चंद्राकर और संजय जैन जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। इनके साथ-साथ 100 से अधिक अन्य कलाकारों को भी अभिनय का अवसर दिया गया है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और उन्हें एक व्यापक मंच प्राप्त होगा। सुंदरानी ने आगे बताया कि फिल्म का समस्त पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य, जिसमें रिकॉर्डिंग, संगीत, डबिंग, मिक्सिंग आदि शामिल हैं, वह रायपुर स्थित श्रेष्ठ स्टूडियो में सम्पन्न हुआ है। फिल्म की वेनिस कैमरा शूटिंग पूरी तरह छत्तीसगढ़ की धरती पर हुई है और केवल सेंसर प्रक्रिया मुंबई में की गई है। फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा बिना किसी कट के 'यू.ए' सर्टिफिक्रेट प्रदान किया गया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।विजय सुंदरानी ने गर्व के साथ बताया कि इस फिल्म से नए निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ को निर्देशन, लेखन और संवाद जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गई, जिसे उन्होंने अत्यंत परिपक्वता से निभाया है। सुंदरानी ने कहा कि भूपेन्द्र चंदनिया छॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक वरदान साबित होंगे और भविष्य में उन्हें बड़े निर्देशकों की श्रेणी में गिना जाएगा।फिल्म निर्माता विजय सुंदरानी ने निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए आशा जताई कि यह फिल्म बच्चों से लेकर युवाओं, पुरुषों और महिलाओं तक सभी दर्शकों को बेहद पसंद आएगी।फिल्म के संगीत निर्देशन की ज़िम्मेदारी छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध संगीतकार और निर्देशक उत्तम तिवारी ने निभाई है। फिल्म के गीत पहले ही रिलीज़ हो चुके हैं और दर्शकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय हो गए हैं। ÷मैं राजा तैं मोर रानी÷ के गीतों को स्वर दिया है सुनील सोनी, अनुराग शर्मा, अनुपमा मिश्रा, अल्का चंद्राकर, कंचन जोशी, चम्पा निषाद और छत्तीसगढ़ की उभरती नई गायिका ज्योति कंवर ने, जो कोरबा निवासी हैं और पहले ग्राम्य रामायण कार्यक्रमों में प्रस्तुति देती थीं। आज उनके गीतों ने उन्हें छत्तीसगढ़ से लेकर मुंबई तक चर्चित कर दिया है। 'का जादू डारे' गीत की सफलता से यह स्पष्ट है कि फिल्म का संगीत गली-गली, घर-घर तक पहुँच चुका है।

निर्देशक भूपेन्द्र चंदनियाँ ने पत्रकार वार्ता में उम्मीद जताते हुए कहा कि निर्माता विजय सुंदरानी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उनके लिए एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि फिल्म की कहानी, संवाद और निर्देशन दर्शकों की अपेक्षाओं पर शत-प्रतिशत खरे उतरेंगे। यह फिल्म छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता रखती है। फिल्म के कार्यकारी निर्माता निखिल सुंदरानी, जिन्होंने कम उम्र में ही फिल्म निर्माण की पूरी ज़िम्मेदारी को पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ निभाया है, उन्होंने अपनी पहली फिल्म के अनुभव साझा करते हुए भावुकता से बताया कि उनके दादाजी ने पहले ही उन्हें चेताया था कि फिल्म निर्माण एक कठिन राह है और इसमें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। निखिल ने कहा कि उनके दादा जी ने उन्हें सिखाया कि परेशानियाँ जीवन की कड़वी दवाइयों की तरह होती हैं जितनी कड़वी हों, उतनी ही अधिक लाभ देती हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन से वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं और आज उनकी फिल्म ÷मैं राजा तैं मोर रानी÷ 4 जुलाई को पूरे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी प्रदर्शित होने जा रही है।

निखिल सुंदरानी ने जनसाधारण और दर्शकों को-विश्वास के साथ कहा कि यह फिल्म संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करेगी। उन्होंने पूरी टीम के सहयोग के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह फिल्म सभी के दिल को छू जाएगी।

अंत में विजय सुंदरानी ने बताया कि ÷मैं राजा तैं मोर रानी÷ का वितरक माँ फिल्म्स के तरुण सोनी जी हैं। उन्होंने बताया कि यह फिल्म छत्तीसगढ़ के साथ-साथ महाराष्ट्र और ओडिशा में भी आगामी 4 जुलाई को एक साथ प्रदर्शित की जा रही है।

संपादकीय

सबसे बड़ा अधिकार

उत्तराखंड हाई कोर्ट का फैसला – कि अतिक्रमित भूमि पर रहने की वजह से किसी को मताधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता– भारतीय लोकतंत्र के मूलभूत सिद्धांतों को दोहराता है । वोटिंग का अधिकार संविधान की ओर से दिया गया है और इसका आधार जमीन का टुकड़ा नहीं हो सकता । न यह अधिकार इतना कमजोर है कि इसे किसी सरकारी फरमान से छीना जा सके । उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के कुछ लोगों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर राज्य सरकार के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि सरकारी, जंगल या किसी और जमीन पर अतिक्रमण करके रहने वालों को पंचायत चुनावों में मतदान करने या इलेक्शन लड़ने से वंचित किया जाएगा । हाई कोर्ट ने इस पर साफ किया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मताधिकार सुरक्षित है और न्यायपालिका या सरकार कोई भी इसे वापस नहीं ले सकता । राज्य सरकार का यह आदेश अगर लागू हो जाता, तो एक खतरनाक मिसाल बन सकता था । देश के कई हिस्सों में आज भी लाखों लोग ऐसी जमीनों पर रह रहे हैं, जिनका स्वामित्व स्पष्ट नहीं है, खासतौर पर शहरों के बीच बसी झुग्गियों, गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में । देश में वैसे भी जमीन से जुड़े मुकदमे बरसों तक चलने के लिए बदनाम हैं । कई मामलों में पीढ़ियां बदल गई और फैसला नहीं आया । लेकिन, इसका यह मतलब नहीं है कि इन्हें अतिक्रमणकारी बताकर इनके संवैधानिक अधिकार से वंचित कर दिया जाए । लोकतंत्र में मताधिकार केवल चुनावी प्रक्रिया का एक अंग नहीं है । इसी से भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है । संविधान ने देश के लोगों को यह अधिकार दिया है जब अनुच्छेद 326 के ड्राफ्ट आर्टिकल को शामिल किया जा रहा था, तब भी इस पर आपत्ति उठाई गई थी । एक सदस्य ने वयस्क मताधिकार का विरोध करते हुए अंदेशा जताया था कि अगर मतदाता जागरूक और शिक्षित न हुआ, तो संसदीय लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती । हालांकि वक्त ने इस अंदेशे को हवा में उड़ा दिया । हर नागरिक, जो निर्धारित आयु पूरी कर चुका हो और कुछ विशेष आधारों पर अयोग्य न हो, उसे मतदाता बनने का अधिकार है । शुरुआत में यह आयु 21 वर्ष थी, जिसे 61वें संविधान संशोधन के जरिये घटाकर 18 वर्ष किया गया । इसका मतलब कि देश का अपने लोगों पर यकीन और पक्का हुआ । जमीन से जुड़े विवाद को लेकर इस यकीन को तोड़ा नहीं जा सकता । हां, अतिक्रमण बड़ी समस्या है, पर उससे निपटने का तरीका वह नहीं, जो उत्तराखंड सरकार ने खोजा ।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है । इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है । साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है । अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं । सबसे कमज़ोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं ।

नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

(ललित गर्ग)

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हर साल 26 जून को नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमज़ोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है।

हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- ''जंजीरों को तोड़ना- सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!'' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ित हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन,

अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है।

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ित 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है।

भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

हर काल, दर्द का वही हाल

(सरयूसुत मिश्रा)

अजीब हालात हैं। देश के दोनों राष्ट्रीय दल बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे को संविधान का हत्यारा साबित करने में जुटे हुए हैं. दो पाटों के बीच पिस कर तो कोई भी नहीं बचता। बीजेपी आपातकाल के पचास साल के दिन को संविधान हत्यादिवस के रूप में मना रही है तो कांग्रेस संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर बीजेपी को कटघरे में खड़ा कर रही है..!!

आपातकाल कांग्रेस का अतीत और इतिहास का अन्याय काल रहा है, जबकि अंबेडकर के अपमान का आरोप राजनीति के अलावा कुछ भी नहीं कहा जा सकता. ऐसा लगता है, दिवंगत महापुरुषों का सम्मान से ज्यादा अपमान के मामलों में नाम उछाला जाता है. अगर स्मृतियों को जीवंत रखने में अपमान की घटनाएं इतनी कारगर हैं तो फिर यह दाग अच्छे ही हैं।

राजनीतिक दलों का एजेंडा अलग है। इसको देश के एजेंडे से घालमेल नहीं किया जा सकता। संविधान की हत्या का संघर्ष जारी है। यह आगे भी जारी रहेगा। एक आम नागरिक की दृष्टि से हर अन्याय काल, आपातकाल जैसा ही होता है. जो दर्द भोगता है, उसे ही पता होता है कि, हर काल का दर्द वही होता है।

आपातकाल के पचास साल पूरे होने पर अतीत की घटनाओं पर वार-पलटवार हो रहे हैं। हम इस दिन को वर्तमान की नजर से देखना चाहते हैं। आपातकाल के पचास साल के पहले सप्ताह की खबरों का हाल बिना कुछ कहे सब कुछ बता रहा है। एक ही दिन 25 जून में पांच खबरें पढ़ने को मिली।

पहली मामला भूखे सिस्टम द्वारा रूपये 858 करोड़ के झूठे पोषण आहार वितरण से जुड़ी हुई है। यह गड़बड़ी कैग द्वारा पकड़ी गई है। लोकायुक्त ने इस पर जांच भी प्रारंभ की है। पोषण आहार उनको दिया जाता है जो कुपोषित हैं, जिनका जीवन संकट में है। संकट में समाधान देना जिस सिस्टम की जिम्मेदारी है, वही अपने लाभ के लिए उसका उपयोग करने लगे तो फिर इसे कौन सा काल कहा जाएगा? आपातकाल नहीं तो कम से कम इसे अन्याय काल तो कहा ही जा सकता है।

दूसरा मामला आगर-राजगढ़ जिले की सीमा पर बने कुंडलिया डैम में मुआवजा घोटाले से संबंधित है। अफसरों ने फर्जी आधार से बच्चों को अठ्ठारह साल का दिखाकर मुआवजा हड़प लिया. जो वास्तविक हकदार थे, वह तो तड़पते रहे लेकिन फर्जी लोगों के नाम पर मुआवजा अफसरों ने हजम कर लिया. जनधन हड़पने की सिस्टम की यह नीति और कार्य प्रणाली के दुष्प्रभाव क्या आपातकाल से कम कहे जा सकते हैं?तीसरा मामला-रेरा द्वारा स्मार्ट सिटी के सभी रेजिडेंशियल कमर्शियल प्रोजेक्ट रोके जाने की है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि दी गई है। यह प्रोजेक्ट वर्ष 2015 में शुरू किया गया था. स्मार्ट सिटी मिशन अपने दस साल पूरे कर चुका है। इस मिशन के अंतर्गत आम जनता को जो सपने दिखाए गए थे, वह इतने वर्षों बाद भी पूरे नहीं हुए हैं. अब हालात यह है कि मिशन ही अपने अस्तित्व के संकट के दौर से गुजर रहा है।

रेरा के खिलाफ़ स्मार्ट सिटी मिशन हाईकोर्ट गया है. रेरा भी एक संवैधानिक संस्था है और राज्य सरकार एवं उसके द्वारा गठित मिशन भी संविधान के अंतर्गत ही कार्य करते हैं। रेरा ने कुछ शर्त लगाई है तो निश्चित रूप से वह नियम के अंतर्गत ही होगी। यह अलग बात हैकि, सरकारी प्रोजेक्ट में इतनी रिजिड होने की आवश्यकता नहीं है. स्मार्ट सिटी के लिए जिन हजारों लोगों को बेघर किया गया था, जिन मकानों को ध्वस्त कर दिया गया था, जो प्लान बनाया गया था, उस पर अब तक अमल नहीं हो सका है।

क्या यह सिस्टम की निरंकुशता और ज्यादती नहीं कही जाएगी? इसके लिए क्या किसी आपातकाल की आवश्यकता है? ऐसी घटनाएं सिस्टम में अतार्किक और तानाशाही पूर्ण कार्य शैली की ओर इशारा करती हैं।

चौथा मामला-आदिवासी बाहुल्य अलीराजपुर के बीईओ कार्यालय में बीस करोड़ के गबन से जुड़ी हुई है। इस मामले में ईडी द्वारा डाले गए छापे पर यह खबर है, जो पैसा आदिवासियों के हित के लिए खर्च किया जाना था, उसका गबन हो जाए, वास्तविक हकदार वंचित रहे और सिस्टम के चोर लाभ उठाएं, वंचित हकदार का दर्द आपातकाल में भी वही होगा और सामान्य काल में भी वही रहेगा. दर्द की अनुभूति में कोई अंतर नहीं होगा।

पांचवा मामला- मुख्यमंत्री दुधारु पशु योजना में गड़बड़ी से जुड़ी है। आदिवासियों के हिस्से की भैंस दबंग पी गए हैं। दबंगों ने कुछ भैंस बेच दी और कुछ अपने बाड़े में बांध ली। यह योजना बैगा, भारिया और सहरिया जनजाति के परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए थी। सार यह है कि, जो पीड़ित है, वंचित है, उसके लिए तो हर काल आपातकाल है. उसके अधिकारों और हक का जहां भी हनन हो रहा है वह आपातकाल ही कहा जाएगा।

भले ही यह खबरें मध्य प्रदेश से संबंधित हैं लेकिन किसी भी राज्य में हर दिन ऐसी ही खबरें सामने आती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि, ऐसी खबरें भी सिस्टम को विचलित नहीं करती है। संवेदनशील कहे जाने वाला प्रशासन इतना असंवेदनशील हो गया है, कि उन्हें यह खबरें भी परेशान नहीं करती। जो सार्वजनिक रूप से तथ्यों के साथ सामने आ चुका है, उन पर सिस्टम का इतना नकारात्मक रवैया है तो फिर जो उजागर नहीं हुए हैं उन पर तो क्या कहना?

सिस्टम निर्मित हादसे और कार्य प्रणाली से जिनको भी दर्द मिल रहा है, उनके लिए हर काल मानो आपातकाल है। इसे कालखंड के रूप में देखने से समाधान नहीं हो सकता। इसे एक मानसिकता के रूप में समझना पड़ेगा. उसको बदलना पड़ेगा. शासन चाहे एक्स के नियंत्रण में हो चाहे वाय के, लेकिन दर्द में दोनों को समान होना चाहिए।

बातों से ना संविधान बचेगा ना आपातकाल का वायरस मिटेगा। सच कहना, सुनना, बोलना और उसके लिए लड़ना पड़ेगा। सिस्टम और दर्द का सच एक है. इस सच को राजनीति से बहुत लंबे समय तक भटकाया नहीं जा सकता। जैसे जन्म में मृत्यु छुपी होती है, वैसे शुरुआत में ही अंत छुपा होता है. जिसके पास जितना भी काल है, वंचित का थोड़ा भी दर्द कम कर सके तो जीवन सफल माना जाएगा। (यह विचार लेखक के अपने हैं)

आपातकाल- आधी रात जब छिन गए थे जनता के सारे अधिकार

इंदिरा गांधी की सरकार ने अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, मीडिया की आजादी छीन ली, लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदा, मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और आम नागरिकों को बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और हत्या तक की गई । इस दौर में संविधान को भी कमजोर किया गया । हालांकि, आपातकाल का हर पहलू चौंकाने वाला था, लेकिन खासकर छात्रों पर किए गए अत्याचार बेहद निंदनीय थे । सब कुछ सिर्फ एक परिवार की तानाशाही को बरकरार रखने के लिए ।

(डॉ. आशीष वशिष्ट)

इंदिरा गांधी की सरकार ने अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, मीडिया की आजादी छीन ली, लोगों के मौलिक अधिकारों को रौंदा, मानवाधिकारों का उल्लंघन किया और आम नागरिकों को बेरहमी से प्रताड़ित किया गया और हत्या तक की गई। इस दौर में संविधान को भी कमजोर किया गया। हालांकि, आपातकाल का हर पहलू चौंकाने वाला था, लेकिन खासकर छात्रों पर किए गए अत्याचार बेहद निंदनीय थे। सब कुछ सिर्फ एक परिवार की तानाशाही को बरकरार रखने के लिए।

पहली बार ऐसा मौका था जब देश में अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा की गई थी। लोगों को आपातकाल के मतलब भी नहीं पता था। आपातकाल की घोषणा के साथ ही आम जनता के सभी मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे। किसी तरह की अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं रह गया था। आम जनता, मीडिया समूह, रेडियो, और अन्य प्रचार के माध्यमों पर पूरी पाबंदी लगा दी गई थी। आपातकाल की घोषणा के कुछ घंटे के भीतर की प्रमुख समाचार पत्रों के कार्यालयों में बिजली की आपूर्ति काट दी गई थी।

आपातकाल की सूचना के बाद से ही देश में ढूंढ-ढूंढ कर विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। तत्कालीन समय के बड़े नेता जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडिस को जेल में डाल दिया गया। विपक्षी नेताओं के साथ साथ समाज में प्रभाव रखने वाले कांग्रेस के विपरीत विचारधारा वाले सभी लोगों और आम जनता में बेगुनाहों को भी जेल में भर दिया गया था, जेलों में जगह नहीं बची थी। करीब 1,40,000 लोगों आपातकाल में बिना किसी सुनवाई के राजनीतिक बंदी बनाया गया।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आपातकाल के दौरान पूरे देश का नियंत्रण गांधी-नेहरू परिवार के हाथ में था। कांग्रेस ने आपातकाल की आड़ में वो सभी काम किए जो ना सिर्फ राजनीतिक लिहाज से अशोभनीय थे बल्कि अमानवीय भी थे। प्रेस में सरकार या आपातकाल की आलोचना करना अपराध की श्रेणी में आ चुका था। प्रेस-मीडिया पर भी सेंसरशिप लगा दी गई थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी तैनात किया गया था। हालात यह थे कि कांग्रेस समर्थित उस अधिकारी के अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था। सरकार विरोधी समाचार छापने पर बिना किसी सुनवाई के गिरफ्तारी हो रही थी।

यही नहीं, कांग्रेस का विरोध करने वाले 26 संगठनों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। 4 जुलाई 1975 को राष्ट्रीय विचार और भारतीयता के लिए काम करने वाले संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। आपातकाल के मुखर आलोचक रहे फिल्मी कलाकारों को भी इसका दंश झेलना पड़ा। किशोर कुमार के गानों को रेडियो और दूरदर्शन पर बजाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। देव आनंद को भी अनौपचारिक प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।

देश में आपातकाल लागू होने के बाद कई त्रासद घटनाएं हुईं। दिल्ली का तुर्कमान गेट कांड भी इनमें एक था। मुस्लिम बहुल उस इलाके को संजय गांधी ने दिल्ली के सौंदर्यीकरण के नाम पर खाली करा दिया। यह काम लोगों की सहमति से नहीं, बल्कि जबरन किया गया गया। बुल्डोजर से लोगों के घर ढहाए गए। जिन्होंने विरोध किया, उन्हें जेलों में ठूंस दिया गया। विरोध के दौरान पुलिस ने लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले छोड़े। पुलिस ने गोलियां भी चलाईं। चार लोगों की जान चली गई।

संजय गांधी की सनक के चलते सड़क से भिखारियों, झोपड़पट्टी के लोगों और राहगीरों को पकड़ कर जबरन नसबंदी के टार्गेट पूरे किए जाने लगे। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 18 अक्टूबर 1976 को नसबंदी अभियान का विरोध कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने सीधी फायरिंग कर दी थी। जिसमें 42 बेगुनाहों की मौत हो गई थी। मृतकों की स्मृति में यहां शहीद चौक बना हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान देशभर में 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी।

21 महीने के बाद जयप्रकाश का आंदोलन निर्णायक मुकाम तक जा पहुंचा। इंदिरा गांधी को सिंहासन छोड़ना पड़ा। मोरारजी देसाई की सरकार ने 28 मई 1977 में आपातकाल के दौरान हुए ज्यादतियों को जानने के लिए जस्टिस जे सी शाह की अध्यक्षता में शाह कमीशन गठित किया। शाह आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि जिस वक्त आपातकाल की घोषणा की गई उस वक्त ना देश में आर्थिक हालात खराब थे और ना ही कानून व्यवस्था में किसी तरह की कोई अड़चन थी। इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल अपनी इच्छा के अनुसार लगाया था और इस संबंध में उन्होंने अपने पार्टी के कुछ लोगों को छोड़कर किसी भी सहयोगी से कोई विमर्श नहीं किया था।

आपातकाल में गिरफ्तार किए गए अधिकतर सम्मानित और बुजुर्ग नेताओं को चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता थी, जो उन्हें अस्पताल में मौजूद नहीं कराई गई। इंदिरा गांधी की तानाशाही का एक नमूना इस बात से भी पता चलता है कि शाह आयोग ने नसबंदी कार्यक्रम पर सरकार के रवैए की बेहद आलोचना की थी। आयोग ने कहा था कि पटरी पर रहने वाले और भिखारियों की जबरदस्ती नसबंदी की गई इसके साथ-ऑटो रिक्शा चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए नसबंदी सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य कर दिया गया था। आयोग ने यह स्पष्ट रूप से माना था कि सरकारी तंत्र का उपयोग कर कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए इस पूरे आपातकाल का इस्तेमाल किया गया।

जनवरी 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया कि वर्ष 1975 में आपातकाल के समय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ था। तत्कालीन अटॉर्नी जनरल नीरेन डे ने तब सुप्रीम कोर्ट में यह कबूल किया था कि जीने का अधिकार स्थगित है। आपातकाल के दौरान प्रेस की स्थिति को लेकर एक श्वेत पत्र 1 अगस्त 1977 में संसद में पेश किया गया। सत्या सी पेज के श्वेत पत्र से यह स्पष्ट हुआ कि तानाशाही की इच्छा रखने वाली इंदिरा गांधी ने अपनी अध्यक्षता में तय किया था कि प्रेस काउंसिल को भंग कर दिया जाए और तत्कालीन चारों समाचार एजेंसियों को मिलाकर एक कर दिया जाए, जिससे उन्हें सेंसर करने और संभालने में आसानी होगी।

राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के जो नेता पिछले कुछ समय अक्सर लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। संसद से सड़क तक वे संविधान की किताब लेकर घूमते हैं, उन्हें याद दिलाना जरूरी है कि उनकी पार्टी के नेता ने दादागिरी करके इस देश पर 21 महीने आपातकाल लगाकर लोगों को जेल में ठूंस दिया था। असल में, 1975 में लगाया हुआ आपातकाल इंदिरा गांधी की गलती नहीं थी, बल्कि इंदिरा गांधी का 'अहंकार' था। दिसंबर 2024 को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल का उल्लेख किया और कहा, ''दुनिया में जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो कांग्रेस के माथे से कभी यह कलंक मिट नहीं सकेगा क्योंकि लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया था। भारतीय संविधान निर्माताओं की तपस्या को मिट्टी में मिलाने की कोशिश की गई थी।'' (लेखक (स्वतंत्र पत्रकार) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मरार पटेल समाज युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी बैठक प्रदेश कार्यालय मे हुई सम्पन्न

प्रदेश भर में सक्रीय युवाओं को समाज से जोड़ने लिया गया निर्णय

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश मरार पटेल समाज प्रदेश युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी बैठक रायपुर स्थित पटेल विद्या मंदिर प्रधान कार्यालय मे सम्पन्न हुआ।बैठक की अध्यक्षता युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रितेश पटेल ने की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र पटेल एवं प्रदेश महासचिव प्रकाश पटेल ने कार्यक्रम को सफल बनाने सम्पूर्ण प्रदेश से युवाओं को बैठक मे सम्मिलित कराने मे अहम भूमिका निभाया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की ईष्टदेवी मां भगवती शाकंभरी एवं प्रभु श्री राम चंद्र की पूजा अर्चना कर शुरु हुई जिसमें प्रदेश भर से उपस्थित युवा पदाधिकारियों की मौजूदगी मे संगठन विस्तार बैंक अकाउंट खोलने जिला कार्यकारिणी के गठन के विषय मे चर्चा किया गया जिसमे तय किया गया की निर्धारित समय अनुसार युवाओं का कार्यशाला आयोजित किया जायेगा जिसमे युवाओं को समाज से जोड़ने की दिशा मे काम करने सामाजिक विचारधारा से युवाओं को जोड़ने की दिशा मे

कैसे कार्य करें इसकी जानकारी साझा की जाएगी। बता दें कि बैठक में पूरे प्रदेश भर से विभिन्न क्षेत्र, जिला, राजों से बड़ी संख्या में समाज के युवा साथी शामिल हुए एवं? बैठक चर्चा में जो युवा आधुनिकता के साथ समाज की बुराइयों की दिशा मे जा रहें हैं उन्हें कैसे मुख्यधारा से जोड़कर रखें समाजिक विचारधारा को कैसे जन जन तक पहुंचाएँ इस विषय पर गंभीरता से चर्चा किया गया जहां सभी पदाधिकारियों ने बारी बारी से अपनी बात रखी तथा समाज के विकास में तन मन धन से से सहयोग करने की बात कही गयी बरसात मे युवाओं द्वारा पौधारोपण करने का निर्णय लिया गया एवं ठण्ड मे जरूरतमंदों को गर्म कपड़े बाँटने का निर्णय लिया गया साथ ही आगामी बैठक क्रमिक रूप से बस्तर एवं सारंगढ़ मे प्रस्तावित है।कार्यक्रम के दौरान मौजूद सक्रिय युवाओं को नवीन जिम्मेदारी देते हुए भूपेंद्र पटेल उपाध्यक्ष, मनीष पटेल एवं डोमन पटेल महामंत्री,हेमंत पटेल सचिव, नरेश पटेल, देवेंद्र पटेल, शेष नारायण पटेल,मनीष पटेल को प्रचार सचिव, लीलाधर पटेल कार्यकारिणी सदस्य, सोनाराम पटेल कौशल पटेल को संगठन सचिव राजू पटेल को मीडिया प्रभारी तथा परमेश्वर पटेल को कार्यालय प्रभारी के पद पर नियुक्ति करते हुए कार्यकारिणी का विस्तार किया गया अध्यक्ष रितेश पटेल कार्यकारी अध्यक्ष जीतेन्द्र पटेल ने तिलक चंदन लगाकर बधाई प्रेषित किया।बैठक मे रितेश पटेल, जितेंद्र पटेल, प्रकाश पटेल, गजानंद पटेल, हरीश पटेल, श्याम पटेल, दुर्गा प्रसाद पटेल, योगेश पटेल, भूपेंद्र पटेल, नरेन्द्र पटेल, पंचराम पटेल, भगत पटेल, पुरुषोत्तम पटेल, हेम कुमार पटेल, सनत पटेल, विनोद पटेल, भुनेश्वर पटेल, डोमन पटेल, मनीष पटेल, नरेश? पटेल, सोनाराम पटेल, कौशल पटेल, नारायण पटेल, हितेंद्र पटेल सहित प्रदेश पदाधिकारीयों के साथ सक्रिय युवा साथी मौजूद रहें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया युवा संसद (मॉक पार्लियामेंट) आयोजन का पोस्टर विमोचन

भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिले

रायपुर/मूक पत्रिका

आपातकाल की 50वी वर्षगाँठ पर भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ द्वारा आपातकाल के विषय को लेकर युवा संसद (मॉक पार्लियामेंट) का आयोजन किया जा रहा है , युवा संसद के आयोजन को लेकर भाजयुमो का प्रतिनिधि मंड़ल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिला साथ ही उनको युवा संसद के आयोजन की जानकारी दी। मुख्यमंत्री द्वारा मॉक पार्लियामेंट का पोस्टर विमोचन करवाया गया , मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज का युवा आपातकाल के विषय को नही जानता , युवाओ को देश के आपातकाल को जानने की जरूरत है कि कैसे लोकतंत्र का गला घोंटा गया , प्रेस सेंसरशिप , मीडिया ब्लैकआउट , संचार पर पाबंदी , नागरिकों के अधिकारों का हनन , लोगो को अकारण ही जेल में बंद कर देना, जिसे शब्दो मे बयान करना आसान नही है लेकिन युवा संसद के माध्यम से युवाओ को एक अच्छा अवसर मिलेगा, जिससे वो आपातकाल की स्थिति समझ सकेंगे, साथ ही इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री ने युवा मोर्चा की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मिलने वाले प्रतिनिधि मंडल में भाजयुमो महामंत्री उपकार चंद्राकर , प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र नाग , हरि ? साहू , प्रदेश मंत्री पीयूष सिंह , गौरी गुप्ता , शुभम शर्मा , गोविंदा गुप्ता , अभिषेक धनकर , राजा पांडेय , आकाश ठाकुर, अंजिनेश शुक्ला , फनेन्द्र वर्मा , रवि सिन्हा व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में पहुंचे सांसद महेश कश्यप

बस्तर /मूक पत्रिका

बीते रविवार को भारतीय जनता पार्टी बस्तर मंडल के शक्ति केंद्र कुण्डकानार, के अन्तर्गत ग्राम पंचायत घाटकवाली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, के मन की बात रेडियो कार्यक्रम के प्रभारी बस्तर क्षेत्र के लोक प्रिय बस्तर सांसद महेश कश्यप, उपस्थित रहे। बस्तर सांसद कश्यप ने कहां की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के कोने-कोने मैं हो रहे नवाचारो जन भागीदारी और सकारात्मक प्रयासों की चर्चा करते हैं, जिसमे राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित लोगों को पहचान और सम्मान मिलता है। कश्यप ने कहा कि नरेंद्र मोदी के विचारों से प्रेरणा

लेकर छत्तीसगढ़ में जनभागीदारी के साथ स्वास्थ्य एवं प्रकृति की रक्षा के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है उन्होंने कहा कि आज के ,,मान की बात ,,कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपयोगी जानकारिया साझा की। प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए फिट्नेस और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में चल रहे नवाचारों के बारे में बताया। बस्तर मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी जी, जिला महिला मोर्चा मंत्री किरण सेन, बस्तर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मोहन मौर्य,पूर्व मंडल अध्यक्ष रामानन्द मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष उदबो नाग,मंडल उपाध्यक्ष दयाराम बघेल, बसंती पटेल, महामंत्री हेमराज कश्यप, सुस्मीता मिस्त्री,पूर्व लामकेर सरपंच लक्ष्मण कश्यप , श्रीनिवास रेड्डी पूर्व सांसद प्रतिनिधि , नरेन्द्र लुक्ड, मिडिया प्रभारी सन्तो राम कश्यप, भुनेश्वर ठाकुर, नगर पंचायत बस्तर पार्षद विरसिंग मौर्य, धनसाय बघेल, और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता गण व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

बस्तर संभाग के नया सितारा - दंतेवाड़ा के जितेन्दर वेक ने घुड़सवारी के प्रतियोगिता में जीता कास्य पदक

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

सपने देखने वालों की नहीं, उन्हें साकार करने वालों की दुनिया होती है।÷ दंतेवाड़ा के जितेन्दर की कहानी इस कहावत को सही मायनों में चरितार्थ करती है। दंतेवाड़ा की गीदम एजुकेशन सिटी का कक्षा दसवीं का एक समर्पित छात्र जितेन्दर वेक, अपने संघर्ष,लगन और प्रतिभा का प्रतीक बन चुका है। उनकी यह प्रेरणादायक यात्रा एक साल पहले तब शुरू हुई जब दक्षिण बस्तर जिला प्रशासन ने गीदम एजुकेशन सिटी में घुड़सवारी का एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस पहल रायपुर की ब्रेगो एंड हेक्टर इक्वेस्ट्रीअन मैंगमेंट कंपनी के सहयोग से सुश्री गीता दहिया के मार्गदर्शन में

छात्रों को घुड़सवारी का प्रशिक्षण दिया गया। जितेन्दर ने इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में खुद को साबित करने के लिए दिन-रात मेहनत की। कलेक्टर कुणाल दुदावत के प्रोत्साहन और सहयोग से उन्हें आगे बढ़ने की राह मिली। उनकी सफलता के पीछे उनकी मेंटर विजेता चौधरी का मार्गदर्शन और प्रशिक्षक चित्रभानु सिंह की कोचिंग का अहम योगदान रहा। जितेन्दर ने बेंगलुरु में चल रही प्रतिष्ठित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में कांस्य पदक जीतकर न सिर्फ अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, बल्कि पूरे बस्तर के युवाओं के लिए एक मिसाल कायम की है।उनकी यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अटूट मेहनत से किसी भी सपने को साकार किया जा सकता है। जितेन्दर वेक आज दंतेवाड़ा ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए हैं।

राज्यपाल डेका से मुख्यमंत्री साय ने की भेंट

रायपुर/मूक पत्रिका

राज्यपाल रमेन डेका से बीते रविवार को राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सौजन्य भेंट की। राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने शाल भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रदेश हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई।

01वर्ष बाद भी सी.सी.सड़क अधूरी ,सड़क के दोनों ओर नहीं डाला गया है मुरूम

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत बांगापाल में पोटाकेबिन मार्ग पर 01 वर्ष पूर्व आधा अधूरी सी सी सड़क निर्माण कार्य हुए हैं। सड़क पर दोनों ओर मुरूम नहीं डाला गया है। यदि चार पहिया वाहन सड़क पर गुजरे तो आम जनता का आना जाना दूभर हो जाता है। इस मार्ग से ग्रामीणजन अन्यत्र गांवों को आना जाना पड़ता है लेकिन सड़क एक तो आधा अधूरा ओर ऊपर से आधे बने सड़क के दोनों तरफ मुरूम नहीं डाला गया है। एक तो बरसात का मौसम उस पर भी आधा अधूरी सड़क ऊपर से आधे अधूरे सड़क पर मुरूम नहीं डाला गया है इस असुविधा से ग्रामीणजन खासे नाराज़ दिखे । ग्रामीणों ने बताया कि 01 साल से अधिक समय बीत जाने पर भी ठेकेदार द्वारा मुरूम नहीं डाला गया है और सड़क को आधा अधूरा छोड़ दिया गया है, कई दफ़े इस सड़क कि वजह से साइकिल एवं मोटर साईकिल चालक गिरकर अस्पताल पहुंच चुके हैं। देखना लाजमी होगा कि कब तलक इस गंभीर समस्या की ओर जिला प्रशासन ध्यान केंद्रित करता है।

शिविर में जिले के अलग अलग स्कूलों के कुल 42 बस/छोटी वाहनों की हुई सघन जांच

- स्कूली वाहन चालकों का अनुभवी चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया

जांजगीर चांपा /मूक पत्रिका

सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित मापदंड को पूरा नहीं करने पर 11 वाहनों पर कार्यवाही कर 13000/? का समन शुल्क लिया गया। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में बीते रविवार को पुलिस लाइन खोखरा भांठा जांजगीर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में जिला परिवहन विभाग की टीम के साथ मिलकर जिले में संचालित निजी स्कूलों के वाहनों की जांच हेतु रक्षित केंद्र जांजगीर में शिविर लगाया गया। आयोजित शिविर में जिले के कुल 43 स्कूली बस/छोटी स्कूली वाहनों की जांच की गई। सबसे पहले स्कूली वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसके बाद स्कूल वाहनों की भौतिक जांच की गई। वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट, बीमा वाहन चालक के लाइसेंस की जांच 16 बिंदु अनुसार की गई। इसके बाद वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। वाहनों की जांच के दौरान 11 स्कूल वाहन चालकों द्वारा सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मापदंड को पूरा नहीं करना एवं उल्लंघन करना पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के धाराओं के तहत कार्रवाई कर समन शुल्क लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार द्वारा स्कूली वाहन चालकों को यातायात नियमों के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने तेज रफ्तार में वाहन न चलाने सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने एवं शराब सेवन कर वाहन न चलाने की समझाइश दी गई स्कूली वाहनों की जांच कार्यवाही के दौरान जिला परिवहन अधिकारी गौरव साहू एवं परिवहन विभाग के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हिन्दी फिल्मों के चरित्र अभिनेता चंद्रप्रकाश ठाकुर की नई फिल्म 'नफरतें' रिलीज, निभा रहें हैं फिल्म के मुख्य अभिनेता आर्यन के पिता का चरित्र

जित मुम्बई /मूक पत्रिका

इस शुक्रवार दो दमदार हिन्दी फिल्में रिलीज हुई है जिनमें काजोल अभिनेत माइथोलॉजिकल हॉरर फिल्म ÷मॉ÷ एवं साथ में हिन्दी फिल्मों के चरित्र अभिनेता चंद्रप्रकाश ठाकुर की नई फिल्म ÷नफरतें÷ हैं जनमें वो फिल्म के मुख्य अभिनेता आर्यन के पिता का चरित्र निभा रहें हैं। चंद्रप्रकाश ठाकुर इंडस्ट्रीज के एक एसे अभिनेता हैं जिनहोंने एक से बढ़कर एक कइ बड़ फिल्में दिये हैं जिनमे बटालियन, गब्बर इज बैक , बजरंगी भाईजान, बुलबुल, बॉमबे वेलवेट आदि फिल्में शामिल हैं। अगर फिल्म कि बात करें तो ÷नफरतें÷ एक नई हिंदी फिल्म है जो 27 जून, 2025 को रिलीज हुई है, जिसमें आर्यन कुमार, तनिष्क रंजन, चंद्रप्रकाश ठाकुर और आदित्य कार्तरीया मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन जॉय सोमनाथ

भट्टाचार्जी ने किया है। फिल्म की कहानी-फिल्म की कहानी प्यार, दर्द और बदलाव के बारे में है, जैसा कि फिल्म के पोस्टर में दिखाया गया है। पोस्टर में आर्यन कुमार को एक इंटेंस और रफ अवतार में दिखाया गया है, जिसमें उनके कंधे पर सिगरेट है और बैकग्राउंड में आग की लपटें हैं।इस फिल्म में एक पिता और पुत्र के आपसी रिस्ते को भी बड़ प्यार से दिखाया गया है। पिता का किरदार चंद्रप्रकाश ठाकुर ने बहुत ही बखुब से निभाया है और अपने किरदार में जान डाल दिया है। एक कडक पिता के साथ साथ एक नर्म दिल पिता के रूप को भी दिखाता है। फिल्म के लेखक और निर्देशक ने अपना योगदान प्रदान कर एक अच्छे फिल्म की रचना की है।

चंद्रप्रकाश ठाकुर का रोल-चंद्रप्रकाश ठाकुर ने इस फिल्म में आर्यन कुमार के पिता का रोल निभाया है। उनकी एक्टिंग की अब तक की सभी फिल्में सहित उन्होंने हमेशा अपने रोल्स में जान डाली है।

फिल्म की तारीफें और रेटिंग्स-

फिल्म की रेटिंग्स और रिव्यूज अभी तक सीमित हैं, लेकिन फिल्म के पोस्टर्स और ट्रेलर्स ने दर्शकों की रुचि बढ़ाई है। सिनेपोलिस थियेटर्स में फिल्म के शो टाइम्स उपलब्ध हैं।

निष्कर्ष-÷नफरतें÷ एक नई और रोचक फिल्म है जो प्यार, दर्द और बदलाव की कहानी बताती है। चंद्रप्रकाश ठाकुर का अभिनय फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर आप इस फिल्म के बारे में और जानना चाहते हैं या इसे देखना चाहते हैं, तो आपको जरूर देखना चाहिए।

फॉरेस्ट टू फार्मेसी मॉडल को साकार करने की दिशा में सरकार की ऐतिहासिक पहल, 27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित है आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई

मुख्यमंत्री साय ने नवनिर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई और केन्द्रीय भंडार गृह परिसर का किया लोकार्पण

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीते रविवार को दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा के अंतर्गत ग्राम जामगांव (एम) में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आधुनिक आयुर्वेदिक औषधि प्रसंस्करण इकाई एवं केन्द्रीय भंडार गृह परिसर तथा स्प्रेयर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अंतर्गत निर्मित हर्बल एक्सट्रेक्शन इकाई का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। हमारी सरकार डेढ़ वर्षों से लगातार विकास की दिशा में अग्रसर है। तीन करोड़ जनता से किए गए वचनों को हम प्राथमिकता से पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तीन नई हर्बल इकाइयों से लगभग दो हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है, जो हमारे लिए सौभाग्य का विषय है। आयुर्वेदिक औषधियों

की कच्ची सामग्रियां जंगलों से एकत्र कर संयंत्रों तक पहुंचाई जाएंगी, जिससे वनवासियों को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत की सबसे बड़ी इकाई है और आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेदिक केंद्र के रूप में स्थापित होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए सरकार ने संग्रहण दर 4,500 रुपए से बढ़ाकर 5,500 रुपए प्रति मानक बोरा कर दी है, जिससे लगभग 13 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही पूर्ववर्ती सरकार में बंद की गई 'चरण पादुका योजना' को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत आज पांच हितग्राही महिलाओं को चरण पादुका वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने लोगों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के नाम पर कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही माँ के प्रति सम्मान भाव भी बना रहेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 44.10 प्रतिशत वनाच्छादित क्षेत्र है, जिससे वनोपज की बहुलता है। यह प्रसंस्करण इकाई मध्य भारत की सबसे बड़ी इकाई है। इसके प्रारंभ से वनोपज का संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन सुगम होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का वनोपज अब वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बनाएगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 67 प्रकार की वनोपज का संग्रहण किया जाता है, जिससे 13 लाख 40 हजार वनवासियों को सीधा लाभ मिलेगा। कश्यप ने कहा कि 'मोदी की गारंटी' के अनुरूप 'चरण पादुका योजना' को पुनः प्रारंभ किया गया है।महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी कैलाशनंद गिरी जी महाराज ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आयुर्वेदिक औषधियों की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री साय ने लोकार्पण से पूर्व प्रसंस्करण इकाई परिसर में आंवला का पौधा रोपित किया। इसके साथ ही वन मंत्री कश्यप ने सीताफल का पौधा, सांसद विजय बघेल ने बेल तथा महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज ने भी सीताफल का पौधा रोपित किया। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक प्रसंस्करण इकाई छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा को विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जोड़कर 'फॉरेस्ट टू फार्मेसी मॉडल' को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। 27.87 एकड़ क्षेत्र में 36.47 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह इकाई प्रतिवर्ष 50 करोड़ रुपए मूल्य के उत्पाद तैयार करेगी। यहां प्रदेश के वनों से प्राप्त औषधीय और लघु वनोपज ङ्क जैसे महुआ, साल बीज, कालमेघ, गिलोय, अश्वगंधा आदि का संगठित एवं वैज्ञानिक प्रसंस्करण कर चूर्ण, सिरप, तेल, टैबलेट एवं अवलेह जैसे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्मित होंगे। यह इकाई 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने का प्रमुख केंद्र बनेगी। परियोजना के अंतर्गत 2,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होगी, जिससे उन्हें स्वरोजगार मिलेगा। वहीं युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होने से स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए द्वार खुलेंगे। इकाई में आधुनिक वेयरहाउस की 20,000 मीट्रिक टन की संग्रहण क्षमता विकसित की गई है, जिससे मौसमी वनोपजों के दीर्घकालीन संरक्षण एवं गुणवत्ता नियंत्रण में सहायता मिलेगी। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करती है। यह न केवल वन उत्पादों के स्थानीय मूल्य संवर्धन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशिता को भी सशक्त बनाती है।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत सीईओ ने निर्मित एवं निर्माणाधीन पीएम आवासों का किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला पंचायत के मुख्य कारण अधिकारी श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने आज गौरेला जनपद के विभिन्न गांवों का दौरा कर निर्मित एवं निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत अंजनी, नेवसा, देवरगांव, पीपरखुंटी, केवची एवं आमडोब में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं जनमन आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन एवं अप्रारंभ आवासो का निरिक्षण किया। उन्होंने ऐसे हितग्राही जो आवास का निर्माण करने में अरूची दिखा रहे है, उन्हे आवास निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया साथ ही निर्माणाधीन आवास को जल्दी से जल्दी पूर्ण करने के लिए समझाईश दिया।

कलेक्टर ने कोडगार सहकारी समिति में खाद-बीज का भंडारण और उठाव की जानकारी ली

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मानसून आगमन के साथ ही जिले में खरीफ फसल की तैयारी शुरू हो गई है। किसानों को सहकारी समितियों से खाद और बीज का वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति कोड़गार का निरीक्षण कर खाद-बीज का भंडारण और उठाव का जायजा लिया। उन्होंने धान बीज की किस्मों और यूरिया, सुपरफास्ट आदि भंडारण की स्टॉक पंजी एवं वितरण पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने समिति प्रबंधक को किसानों की मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समिति में आए किसानों से चर्चा की और उनसे कौन सा किस्म की धान लगायेंगे आदि की जानकारी ली।

एनएमडीसी की भर्ती प्रक्रिया के विरुद्ध चल रहे आंदोलन का समापन हुआ

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा - प्रभारी मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप,विधायक चैतराम अटामी, द्वारा प्रशासन से बात कर एनएमडीसी प्रबंधन को स्थानीय बेरोजगारों की शर्तों पर गंभीरता से विचार करने को कहा गया । भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष गुप्ता एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम बचेली पहूंचे । बचेली नगर पालिका अध्यक्ष राजू जायसवाल, पार्षद सहित स्थानीय पंचायत के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि से वार्तालाप कर उनकी मांग पर गंभीरता पुर्वक विचार कर स्थानीय बेरोजगारों के हित में फैसला लेने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात जिलापंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी सहित किरंदुल के शैलेन्द्र सिंह सहित भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ धरने पर बैठे युवाओं के साथ वार्तालाप कर उन्हें एनएमडीसी प्रबंधन एवं प्रशासन के लिखित पत्र देकर धरना समाप्त करवाया।

पुस्तक वितरण और स्कैनिंग में जिले का राज्य में दूसरा स्थान

जिले में राजस्व प्रकरणों के निराकरण में आई तेजी

मूक पत्रिका/ मुंगेली - जिले में राजस्व मामलों के त्वरित निपटारे और शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में अविवादित नामांतरण, खाता विभाजन और सीमांकन जैसे विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण में महत्वपूर्ण सुधार दिखाया है। साथ ही, स्कूलों में पुस्तक वितरण और स्कैनिंग प्रक्रिया में भी जिला राज्य स्तर पर दूसरे स्थान पर है। शासन के निर्देशों के अनुसार राजस्व प्रकरणों के संवेदनशील और त्वरित निराकरण के लिए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। जिले के तीनों अनुविभागों के एसडीएम, तहसीलदार और अन्य राजस्व कर्मचारी पूरी तत्परता से कार्य कर रहे हैं। सीमांकन के मामलों में जिले ने अच्छी प्रगति की है, पिछले सप्ताह के 13वें स्थान से अब यह सातवें स्थान पर आ गया है। खाता विभाजन के प्रकरणों में भी मुंगेली ने 13वें स्थान से सातवें स्थान पर छलांग लगाई है। विवादित नामांतरण के निराकरण में भी जिला पांचवें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। यह प्रगति जिले के राजस्व प्रशासन की दक्षता और नागरिकों को समय पर सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

शैक्षिक मामले पर भी मुंगेली जिले ने सराहनीय कार्य किया है। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शिक्षा अधिकारियों को सभी स्कूलों में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण और स्कैनिंग सुनिश्चित करने के लिए कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने स्वयं लगातार स्कूलों का दौरा कर पुस्तक वितरण व्यवस्था, स्कैनिंग प्रक्रिया और स्कूलों में आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया। पुस्तकों के वितरण और स्कैनिंग प्रक्रिया में मुंगेली जिला अब राज्य में दूसरे स्थान पर है जिला शिक्षा अधिकारी सी. के. धृतलहरे ने बताया कि जिले के 1,070 प्राथमिक, माध्यमिक और हाई स्कूलों में 3 लाख 89 हज़ार से अधिक किताबें भेजी जा चुकी हैं। पहली से दसवीं कक्षा के 1,036 स्कूलों में 3 लाख 41 हज़ार 808 पुस्तकों की स्कैनिंग कर उनका वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जिला प्रशासन बच्चों का भविष्य गढ़ने और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पूरी सजगता, तत्परता और संवेदनशीलता से कार्य कर रहा है, जिससे स्कूलों में बेहतर व्यवस्थाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित हो सके। यह दर्शाता है कि मुंगेली जिला न केवल प्रशासनिक दक्षता में बल्कि बच्चों की शिक्षा और भविष्य निर्माण में भी गंभीरता से निवेश कर रहा है।

एसएसपी रजनेश सिंह का रात्रि गश्त व्यवस्था पर औचक निरीक्षण किया

बिलासपुर। जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने एवं रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह (आईपीएस) ने देर रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों एवं मुख्य चौक-चौराहों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहरी और ग्रामीण इलाकों में पेट्रोलिंग पार्टी, फिक्स पॉइंट्स, सेक्टर और जोनल गश्त अधिकारियों की ड्यूटी की जांच की और सभी को सजगता और सतर्कता के साथ रात्रिकालीन गश्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान श्री सिंह ने थाना चकरभाठा पहुंचकर आकस्मिक रूप से रात्रि पहरा का मुआयना किया और वहां तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहकर कर्तव्य पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं देवकीनंदन चौक, मगरपारा, पुराना बस स्टैंड चौक और तालापारा चौक जैसे महत्वपूर्ण गश्त पॉइंट्स का भी निरीक्षण किया गया। यहां ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों द्वारा मुस्तैदी से की जा रही चेकिंग एवं ड्यूटी के प्रति तत्परता को देखते हुए उनकी प्रशंसा करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की गई। एसएसपी ने उच्च न्यायालय आवासीय परिसर का भी निरीक्षण किया और वहां तैनात सुरक्षा बल की व्यवस्था का अवलोकन कर गार्ड कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने समस्त थाना क्षेत्रों को विशेष रूप से संवेदनशील इलाकों, आउटर कॉलोनियों, एटीएम, बैंकों आदि में निरंतर और प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रात्रि गश्त की इस व्यवस्था में जिले भर में फिक्स पॉइंट्स की संख्या बढ़ाई गई है और सभी पुलिसकर्मियों को हथियारों के साथ गश्त करने के आदेश दिए गए हैं। जोनल गश्त अधिकारी द्वारा रात 12 बजे सभी कर्मचारियों को एकत्र कर ब्रीफिंग दी जाती है, जिसके बाद सभी टीमों को रवाना किया जाता है। इसके अतिरिक्त सेक्टर अधिकारी, फिक्स पॉइंट एवं पेट्रोलिंग पार्टी समन्वय कर संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग कर रहे हैं। इस रात्रि निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अर्चना झा, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) शिवचरण परिहार, तथा थाना प्रभारीगण सिरगिट्टी से किशोर केंवट, कोनी से श्री राहुल तिवारी, तोरवा से अभय सिंह बैस एवं रतनपुर से श्री नरेश चौहान उपस्थित थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह द्वारा की गई इस रात्रि गश्त निरीक्षण से न केवल आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना और विश्वास मजबूत हुआ है।

कलेक्टर ने उचित मूल्य की दुकान और उप स्वास्थ्य केंद्रों का भी किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने औचक निरीक्षण के दौरान शासकीय उचित मूल्य की दुकान कोडगार एवं उप स्वास्थ्य केंद्र देवरी खुर्द और पीथमपुर का भी निरीक्षण कर व्यस्थाओं का जायजा लिया। जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में माह जून से अगस्त 2025 तक तीन माह का चावल एकमुश्त राशनकार्ड धारको को माह जून में ही वितरण किया जा रहा है। कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य की दुकान कोडगार का निरीक्षण किया और हितग्राहियों को तीन महीने का चावल मिल रहा है कि नहीं, राशन कार्ड की संख्या, चावल, नमक और शक्कर के भंडारण के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने उप स्वास्थ्य केंद्रों में ओपीडी पंजी, एचआरपी सूची, आरएचओ एवं सीएचओ की उपस्थिति, टीकाकरण, डिलेवरी की संख्या, जन्म प्रमाण पत्र बनाने, दवाइयों की उपलब्धता एवम वितरण, प्रसव कक्ष में डिलेवरी सुविधा सहित शत प्रतिशत संस्थागत डिलेवरी हो और परिसर में साफ सफाई आदि का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार श्री अविनाश कुजूर भी उपस्थित थे।

बस्तर के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं मोदीजी एवं सायजी : रत्नावली कौशल

बस्तर में रेल कनेक्टविटी के विस्तार पर भाजपा नेत्री कौशल ने जताई खुशी

मूक पत्रिका/रायपुर। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि हमारी डबल इंजन वाली सरकार बस्तर को भी डबल स्पीड से विकास की पटरी पर दौड़ा रही है। जल्द ही बस्तर विकास के नए आयाम गढ़ने लगेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जी और हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी बस्तर के विकास की नई गाथा लिख रहे हैं।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने यह बातें केंद्र और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकारों के संयुक्त प्रयासों से बस्तर संभाग में रेल और सड़क मार्ग सुविधाओं के विस्तार को लेकर कही हैं। सुश्री कौशल ने कहा है कि रावघाट- जगदलपुर रेल परियोजना की मंजूरी के बाद अब तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के किरंदुल

तक रेल लाइन प्रोजेक्ट के सर्वे की पूर्णता को डबल इंजन सरकार का बस्तर के हित में ऐतिहासिक कदम करार दिया है। रत्नावली कौशल ने कहा है कि डबल इंजन की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। राज्य के सबसे समृद्ध और आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग को कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा उपेक्षित रखा। आदिवासियों को अपने वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। भारतीय जनता पार्टी ने विष्णु देव साय के रूप में जब छत्तीसगढ़ को पहला आदिवासी मुख्यमंत्री दिया और आदिवासी अंचलों के भाग्य जाग उठे हैं। सुश्री कौशल ने कहा कि साय सरकार के आने के बाद बस्तर, सरगुजा, जशपुर, मानपुर, मोहला जैसे सभी आदिवासी बाहुल्य इलाकों में शानदार पक्की सड़कों का जाल बिछ गया है। नक्सली गतिविधियों के मामले में अति संवेदनशील माने जाने वाले बस्तर के सुदूर गांवों तक सड़क नेटवर्क का विस्तार हो चुका है।अब वहां नया रेल नेटवर्क भी आकार लेने लगा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और बस्तर के सांसद महेश कश्यप की ठोस पहल पर रावघाट- जगदलपुर रेल लाइन आकारले रही है। रावघाट से अंतागढ़ तक काम लगभग पूरा हो चुका है और रायपुर से दुर्ग, बालोद, दल्ली राजहरा होते हुए भानुप्रतापपुर के केंवटी तक यात्री ट्रेन भी चलने लगी है। इससे बस्तर के कांकेर जिले की बड़ी आबादी को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है। भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने बताया कि इसके अलावा रायपुर धमतरी से केशकाल,कोंडागांव,अंतागढ़ होते हुए जगदलपुर तक नई रेल लाइन के सर्वे को भी केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है। तेलंगाना के कोठागुडेम से बस्तर के सुकमा,दंतेवाड़ा,बीजापुर जिलों से होते हुए दंतेवाड़ा जिले की खनिज नगरी किरंदुल तक सीधी रेल लाइन का सर्वे पूर्णता की ओर है। बस्तर संभाग के ये तीनों जिले अति नक्सल प्रभावित और आवागमन की सुविधा के मामले में अति पिछड़े रहे हैं। अब रेल कनेक्टविटी मिल जाने से ये जिले भी विकास के नए प्रतिमान गढ़ेंगे। सुश्री कौशल ने बस्तर में रेल सुविधा के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव,छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,उप मुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव एवं विजय शर्मा,वन मंत्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद महेश कश्यप के प्रति आभार व्यक्त किया है।

क्रिश्चियन हॉस्पिटल धमतरी (बठेना) में षडयंत्र पूर्वक मरीजों की हत्या और लूट के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल दुर्गावाहिनी ने किया विरोध प्रदर्शन

मूक पत्रिका/ कांकेर(धमतरी) - अस्पताल प्रबन्धन ने किया पीड़ित परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा। देश की राजधानी दिल्ली से संचालित राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट संगठन के साथ छत्तीसगढ़ क्रांति सेना ने भी दिया आंदोलन में समर्थन

क्रिश्चियन अस्पताल धमतरी में लगातार मरीज को षडयंत्र पूर्वक डॉक्टरों द्वारा लापरवाही कर पैसा लूटा जा रहा है और मरीज के जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जिसकी सजा आम नागरिक लगातार भुगत रहे अलग-अलग ग्रामों से दूरदराज के क्षेत्र से मरीज बड़ी उम्मीद के साथ अस्पतालतक पहुंचाते हैं अस्पताल आने पर उनको उचित इलाज का भरोसा देकर भर्ती किया जाता है भर्ती करते ही डॉक्टर की और अस्पताल प्रबंधन की लूट शुरू हो जाती है और मरीज को बिना इलाज केवल पैसे लूटकर दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया जाता है जिससे मरीजों की मृत्यु हो जा रही है यह कोई एक घटना नहीं लगातार इस प्रकार की घटना क्रिश्चियन अस्पताल धमतरी में पाया जाता रहा हैं वर्तमान में ग्राम सिसिदा की गर्भवती महिला को केवल 3 घंटे अस्पताल में रखे 17000 रूपये वसूला गया और जीवित बच्चों को मृत बताकर रायपुर रिफर करने के लिए फॉरवर्ड कर दिया गया क्या जबकि बच्चे का पैर गर्भ से बाहर आ चुका था इनके अलावा कंडेल की छोटेलाल कुर्रे को इमर्जेंसी वार्ड में दुर्घटना होने पर भर्ती करने के 24 घंटे बाद तक भी इलाज नहीं मिल पाया 24 घंटे बाद उसका स्वच्छ रिपोर्ट मिलने पर इलाज की कारवाही की गई और दो दिन रखने के बाद उनको दूसरे अस्पताल में रेफर कर

दिया गया जिससे छोटेलाल कुरे की मौत हो गई ऐसे लगातार घटनाएं और लूट हॉस्पिटल में होता रहा है साथ ही हॉस्पिटल के अंदर संचालित नर्सिंग कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को फेल होने का डर दिखाकर जबरदस्ती चर्च में ले जाकर प्रार्थना करवाया जा रहा है और धर्मांतरण करने का खेल खेला जा रहा है। हिंदू बच्चों को उनके आस्था का पालन करने से रोका जा रहा है। हिंदू त्यौहार पर छुट्टियों पर पाबंदी लगाया जाता है। इस प्रकार लुट हत्या औरमानव अधिकार हनन तथा धार्मिक भावना आहत करने का काम अस्पताल में निरंतर अस्पताल प्रबंधन के द्वारा षड्यंत्र पूर्वक हिंदू परिवार को टारगेट करके किया जा रहा है पूर्व में भी अस्पताल प्रबंधन के द्वारा मरीजों की लूट और हत्या के खिलाफस्वद्धक्रथाने में दर्ज किया जा चुका है कई बार अस्पताल के ऊपर पेनाल्टी लगाई जा चुकी है कोरोना काल में भी अस्पताल में मरीजों की हत्या किया गया जिसके खिलाफ शिकायत और कारवाही दोनों हुआ था फिर भी पैसों के दम पर अधिकारियों साठगांठ कर क्रिश्चन अस्पताल बठेना लगातार आम मरीजों की हत्या कर जान ले रहा है और शासन प्रशासन मौन है।

जिसके खिलाफ मजबूर होकर संगठन ने कड़ी कारवाही हेतु धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया और अस्पताल के ऊपर कारवाही कर पूरी तरह सील करने एवं पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग प्रशासन से करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया है।

आंदोलन को सफल बनाने में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष यशवंत साहू, जिलामंत्री रामचंद देवांगन, जिला सह मंत्री दीपक सोनी, जिला संयोजक रवि कुमार साहू, जिला सह संयोजक तुषार साहू, जिला बलोपासना प्रमुख देवेंद्र साहू, जिला विशेष संपर्क प्रमुख इंद्र कुमार निखिल, जिला प्रचार प्रमुख योगेंद्र साहू, जिला संयोजिका दुर्गावाहिनी भूमिका कोर्राम, जिला सह संयोजिका दुर्गावाहिनी कविता कुर्रे, कुरूद प्रखंड अध्यक्ष, कुरूद प्रखंड मंत्री मिथलेश साहू, धमतरी प्रखंड मंत्री दिलीप साहू, प्रखंड गौरक्षा प्रमुख नमन जैन, छत्रपाल साहू, कुंजबिहारी, नेमचंद साहू, दीपक साहू, विष्णु साहू, धनेश्वर साहू, केशव साहू, मुकेश साहू, निर्मला ध्रुव के साथ समस्त नगर ग्राम खण्ड प्रखंड के दायित्व वान पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु शामिल रहे।

एमएलसी 2025

सिएटल ओर्कास की अंतिम गेंद पर रोमांचक जीत, आखिरकार खुला जीत का खाता

नई दिल्ली, एजेंसी। सिएटल ओर्कास ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 18वें मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने एमआई न्यूयॉर्क को तीन विकेट से हराया। यह सिएटल ओर्कास की सीजन में पहली जीत रही। इससे पहले उसे लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा था। टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे अंतिम पायदान पर है। वहीं, दूसरी ओर एमआई न्यूयॉर्क ने पांचवीं हार का सामना किया है। टीम छह में से सिर्फ एक ही मैच जीतकर चौथे स्थान पर है।मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी एमआई न्यूयॉर्क ने चार विकेट गंवाकर 237 रन बनाए। टीम ने जल्द क्विंटन डी कॉक (1) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान निकोलस पूरन ने मोनांक पटेल (20) के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े। इसके बाद पूरन ने तजिंदर ढिल्लन के साथ तीसरे विकेट के लिए 158 रन जोड़े। इस साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। तजिंदर 35 गेंदों में 95 रन की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने आठ छक्के और इतने ही चौके जड़े। वहीं, निकोलस पूरन 60 गेंदों में आठ छक्कों और सात चौकों की मदद से 108 रन बनाकर नाबाद रहे।विपक्षी टीम की ओर से काइल मेयर्स और गेराल्ड कोएत्जी को दो-दो सफलता हाथ लगी।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से पीटा, सीरीज जीती

कोलंबो, एजेंसी। प्रभात जयसूर्या ने श्रीलंका को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में बांग्लादेश पर पारी और 78 रनों से जीत दिलाई। उन्होंने चौथे दिन शनिवार को आधे घंटे के भीतर मैच समाप्त कर दिया और 1-0 से सीरीज पर कब्जा कर लिया। बाएं हाथ के स्पिनर को टर्निंग ट्रैक पर खेलना मुश्किल था, उन्होंने दूसरी पारी में 56 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में 133 रन पर ढेर हो गई। सुबह 6 विकेट पर 115 रन से आगे खेलने उतरी बांग्लादेश को मुकाबले को आगे बढ़ाने के लिए चमत्कार की जरूरत थी। जयसूर्या ने सुनिश्चित किया कि कोई राहत न मिले, उन्होंने दिन के अपने पहले ओवर में लिटन दास को 14 रन पर आउट कर दिया। उन्होंने बल्लेबाजों के इर्द-गिर्द अपना जाल बुनना जारी रखा और लगातार ओवरों में नईम हसन और तैजुल इस्लाम को आउट किया। थारिंडू रत्नायके ने इबादत हुसैन को एलबीडब्लू आउट करके बांग्लादेश की उम्मीदों का अंत किया। यह जीत मेजबान टीम के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत मिली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन शादमान इस्लाम के 46 रनों के बावजूद वे अपनी पहली पारी में केवल 247 रन ही बना सके।

120 रन ठोक ट्रेविस हेड ने कर दिया कमाल

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को उसी के घर पर रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में जीत के साथ शुरुआत की है. उसने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को उसी के घर में 159 रनों से रौंद दिया. इस जीत के हीरो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड रहे, जिन्होंने दोनों पारियों में शानदार अर्धशतक लगाकर मेजबान टीम के जबड़े से जीत को छीन लिया. उन्होंने इस मैच में कुल 120 रन बनाए, जिसकी वजह से ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने इस मैच में कुल 9 विकेट चटकाए, लेकिन वो अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके. दूसरा टेस्ट मैच 3 जुलाई से सेंट जार्ज में खेला जाएगा. ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड एक बार फिर टीम के लिए संकटमोचक साबित हुए. उन्होंने दोनों पारियों में अर्धशतक ठोककर टीम को शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. पहली पारी में उन्होंने 59 रनों की पारी खेली, जबकि दूसरी पारी में वो 61 रन बनाए. इसकी मदद से ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को उसी के घर में हराकर डब्ल्यूटीसी 2025-27 में पहली जीत दर्ज की. प्लेयर ऑफ द मैच ट्रेविस हेड के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने 65 और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने शानदार 63 रनों की पारी खेलकर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के स्कोर को 300 के पार पहुंचा दिया. इसके बाद तो वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने घुटने ही टेक दिए.

पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को केवल 180 रनों पर रोकने के बाद वेस्टइंडीज के बल्लेबाज पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से चूक गए और केवल 190 रन ही बना पाए. दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया ने काफी खराब शुरुआत की थी. उसके 4 विकेट केवल 65 रन पर ही गिर गए थे, लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी और ब्यू वेबस्टर की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 310 रन ठोक दिए. ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 301 रनों का लक्ष्य दिया, लेकिन वेस्टइंडीज की दूसरी पारी केवल 141 रनों पर ही सिमट गई. दूसरी पारी में शमार जोसेफ ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए. ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड ने पांच विकेट हासिल किए.

नंबर-एक भारतीय बनने पर गौतम अदाणी ने प्रज्ञानंद को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद शुक्रवार को ताशकंद में उजचेस कप मास्टर्स 2025 जीतने के बाद लाइव रेटिंग में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले शतरंज खिलाड़ी बन गए। इस जीत से प्रज्ञानंद की लाइव रेटिंग 2778.3 तक पहुंच गई जिससे वह तीन स्थान की उछाल से दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी बन गए। इस तरह उन्होंने अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की। अदाणी समूह के चेयरमैन और बिजनेस टाइकून गौतम अदाणी ने शनिवार को ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद की सराहना की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट किया, बधाई हो प्रज्ञानंद! आप पर गर्व है! उजचेस कप जीतना, भारत का नंबर एक और दुनिया के चौथे नंबर का खिलाड़ी बनना क्या उपलब्धि है!

नीरज चोपड़ा एनसी क्लासिक देखने के इच्छुक फैन की इच्छा पूरी करेंगे, यात्रा का पूरा खर्च उठाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एक प्रशंसक ने बुधवार को पहला एनसी क्लासिक टूर्नामेंट देखने की इच्छा जताते हुए सोशल मीडिया पर 2000 रूपये देने का अनुरोध किया और जवाब में भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने खुद उनकी बेंगलुरू यात्रा का पूरा खर्च उठाने का वादा किया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने प्रशंसक को पूरा वीवीआईपी अनुभव देने का वादा किया जिसमें पांच जुलाई को होने वाली स्पर्धा के लिए बेंगलुरू में रहने का बंदोबस्त भी शामिल है। तमिलनाडु के कोयंबटूर के भालाफेंक प्रशंसक रंजीत कुमार रविचंद्रन ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करके कहा था कि वह भारत में नीरज चोपड़ा के नाम पर होने वाला यह टूर्नामेंट देखना चाहते हैं। उन्होंने लिखा था, 'कोई मुझे 2000 रुपए दे सकता है ताकि मैं कोयंबटूर से जाकर यह देख सकूं।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा की सरे टीम में एंट्री

टी-20 ब्लास्ट में दिखाएंगे हुनर

सरे, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जम्पा ने चार टी20 ब्लास्ट मैच खेलने के लिए सरे के साथ अनुबंध किया है। वह 6 जुलाई को द ओवल में एसेक्स के खिलाफ सरे के डबल-हेडर मैच से पहले पहुंचेंगे। 33 वर्षीय जम्पा टी20 क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने 117 विकेट लिए हैं। वह 100 टी20आई विकेट लेने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई थे और 2021 में टी20 विश्व कप और 2023 में 50 ओवर का विश्व कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। लेग स्पिनर जम्पा ने अपने करियर में 350 से अधिक टी20 विकेट लिए हैं जिसने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग, बिग बैश और द हंड्रेड सहित दुनिया भर की सभी सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी लीगों में ले जाया है, जहां उन्होंने 2023 और 2024 में ओवल इनविंसिबल्स को लगातार खिताब दिलाने में मदद की। सैम कुरेन की सरे प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में है, उसने केंट के खिलाफ आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल की, जिसमें क्रिस जॉर्डन ने अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत सुनिश्चित की। इसके बाद ससेक्स और मिडलसेक्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर व्यापक जीत हासिल की।

जम्पा का पहला मैच 6 जुलाई को एसेक्स के खिलाफ डबल-हेडर होगा, इसके बाद ग्लॉस्टरशायर से भिड़ने के लिए ब्रिस्टल की यात्रा होगी। वह 11 जुलाई को ओवल में सरे के ग्लैमरगन से भिड़ने से पहले लाइट्स के नीचे फिर से एक्शन में होंगे, उसके बाद 13 जुलाई को ग्रुप लीडर समरसेट के खिलाफ एक और डबल-हेडर में थ्री फेदर्स में अपने शुरुआती स्पेल को समाप्त करेंगे। यदि सरे प्रतियोगिता के नॉकआउट चरणों में पहुंचता है, तो जम्पा क्वार्टर फाइनल और फाइनल डे के लिए उपलब्ध होंगे।

निकोलस पूरन का कमाल, इतने गेंदों में ठोक दिया शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग क्रिकेट 2025 में वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज निकोलस पूरन ने तूफानी शतक ठोक दिया. उन्होंने एमआई न्यूयार्क की ओर से कप्तानी पारी खेलते हुए सिएटल ओर्कास के खिलाफ 55 गेंदों में 8 छक्के और 6 चौकों की मदद से शानदार शतक बनाया. इस लीग में ये उनका दूसरा शतक है. इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलने वाले इस बल्लेबाज ने सिएटल ओर्कास के गेंदबाजों की खूब धुनाई की. उन्होंने करीब 184 की स्ट्राइक रेट से अपना शतक पूरा किया. पूरन ने इस मैच में 60 गेंदों में 7 चौकों और 8 छक्कों की मदद से नाबाद 108 रनों की पारी खेली. उनकी इस पारी की मदद से एमआई न्यूयार्क ने सिएटल ओर्कास के खिलाफ 20 ओवर में 4 विकेट पर 237 रन बनाए. एमएलसी 2025 में एमआई न्यूयार्क के कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन का बल्ला अभी तक खामोश ही जा रहा था. उन्होंने पिछले 5 मैचों में केवल 66 रन ही बना पाए थे, लेकिन छठे मैच में वो कुछ सोचकर डलास के मैदान में उतरे थे. उन्होंने सिएटल ओर्कास के खिलाफ मैदान के चारों ओर शॉट लगाए. उन्होंने अपनी शतकीय पारी के दौरान 76 रन केवल बाउंड्री से बटोरे. इस दौरान उन्होंने किसी भी गेंदबाज को नहीं बख्शा.

पूरन ने तजिंदर सिंह के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 68 गेंदों में 158 रनों की साझेदारी कर दी. ये एमएलसी में अब तक की सबसे बड़ी पार्टनरशिप है. तजिंदर सिंह ने केवल 35 गेंदों में 8 चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 95 रन बनाए. हालांकि वो अपना शतक बनाने से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी टीम एमआई न्यूयार्क का स्कोर 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई. निकोलस पूरन अंत तक नाबाद रहे.

एमएलसी में ठोका दूसरा शतक

निकोलस पूरन ने एमएलसी में अपना दूसरा शतक बनाया है. उन्होंने सिएटल ओर्कास के खिलाफ 60 गेंदों में नाबाद 108 रनों की पारी खेली. इससे पहले उन्होंने साल 2023 में नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी. इस सीजन में पूरन ने 6 मैचों में 34.80 की औसत से 174 रन बनाए. इसमें एक शतक शामिल है. इसके अलावा उन्होंने एमएलसी में अब तक 21 मैच खेले हैं. इसमें पूरन ने 43.64 की औसत से 742 रन बनाए हैं. इसमें 2 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं.

तन्वी शर्मा, आयुष शेट्टी का शानदार प्रदर्शन, सेमीफाइनल में जगह पक्की

यूएस ओपन बैडमिंटन

काउंसिल ब्लफ्स (अमेरिका), एजेंसी । उभरते भारतीय शटलर तन्वी शर्मा और आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। इन युवा शटलर ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। 16 वर्षीय तन्वी ने सीधे गेम में उच्च रैंकिंग वाली मलेशियाई खिलाड़ी करुपथेवन लेत्शाना के खिलाफ आसान जीत दर्ज की। तन्वी ने 33 मिनट तक चले इस मुकाबले को 21-13, 21-16 से अपने नाम किया। वहीं, दूसरी ओर आयुष ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर विश्व चैंपियन चीनी ताइपे के कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल में तन्वी का सामना यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा से होगा, जिन्होंने क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन को हराकर उलटफेर किया है। यह तन्वी का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 इवेंट में पहला सेमीफाइनल है।

इस बीच, आयुष शीर्ष वरीयता प्राप्त चोउ टिएन-चेन से भिड़ने के लिए तैयार हैं। चोउ टिएन-चेन एक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी हैं, जिसने उन्हें ताइपे ओपन में हराया था। आगे की कड़ी चुनौती के बावजूद, आयुष 2025 के एक मजबूत अभियान से हौसला बढ़ा सकते हैं, जिसमें ऑरलियन्स मास्टर्स और ताइपे ओपन दोनों में सेमीफाइनल फिनिश शामिल है। इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेमों में 21-18, 21-16 से हराया था। पिचामोन ओपटनीपुथ दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 की जूनियर विश्व चैंपियनशिप अपने नाम की थी। दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल राउंड ऑफ-16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर दर्ज की। थारुन मन्नेपल्ली दुनिया के 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

हालांकि, पुरुष युगल में भारत को झटका लगा है। हरिहरन अम्सकरुनन और रुबन कुमार रेथिनासाबापति को शुक्रवार को मिड-अमेरिका सेंटर में क्वार्टर फाइनल मैच में चीनी ताइपे के चियांग चिएन और वेई वू ह्सुआन-यी ने 21-9, 21-19 से हरा दिया।

धर्म स्तंभ काउंसिल व निर्वाणी अखाड़ा ने मुख्यमंत्री से की माँग-सभी जिलों में मठ-मंदिर एवं सार्वजनिक न्यास मामलों के लिए बने अलग समर्पित कार्यालय

तीन लाख करोड़ से अधिक की संपत्ति प्रदेश के मठ मंदिरों और न्यास में :डॉ निर्वाणी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

धर्म स्तंभ काउंसिल एवं निर्वाणी अखाड़ा के डॉ. सौरभ निर्वाणी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भेंट कर छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में मठ-मंदिर, सार्वजनिक न्यास एवं ट्रस्ट से जुड़े मामलों के लिए जिला कलेक्टर के अधीन अलग से तीन समर्पित कर्मचारियों के स्थायी कार्यालय की माँग की। डॉ. सौरभ निर्वाणी ने कहा कि, ÷आज ज़मीनी स्तर पर देखा गया है कि ज़िला कलेक्टर जो स्वयं सार्वजनिक न्यासों के संरक्षक होते हैं, वे अपनी शक्तियों का हस्तांतरण अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को कर देते हैं। किंतु राजस्व अधिकारियों के पास पहले से ही बड़ी संख्या में भूमि और राजस्व विवाद होते हैं, जिससे वे मठ-मंदिर या ट्रस्ट मामलों पर समुचित ध्यान नहीं दे पाते।÷ उन्होंने रायपुर संभाग का उल्लेख करते हुए बताया कि-÷सिर्फ रायपुर संभाग में ही मठ-मंदिरों की जमीन का बाज़ार मूल्य ?1 लाख करोड़ से अधिक है। राज्य में 3 लाख करोड़ से अधिक की चल अचल संपत्ति इन न्यासो में है ,कभी ये स्थान सनातन धर्म और आध्यात्मिक चेतना के केंद्र रहे हैं। लेकिन वर्तमान में सार्वजनिक न्यास अधिनियम के तहत आने के बाद, उचित

निगरानी और समर्पित कार्यालयों के अभाव में इन मामलों की स्थिति बेहद बदहाल है। कई स्थानों पर ये प्रक्रियाएँ केवल खानापूर्ति बनकर रह गई हैं,पुराने रजिस्टर कापी ही कार्यवाही और दस्तावेज के नाम पर कलेक्टर में जमा रखी है ।÷जमीन और संपत्तियों में लूट की स्थिति, कोई निगरानी नहीं

धर्म स्तंभ काउंसिल ने यह भी चेताया कि-÷जन आस्था के कारण दान में मिली भूमि और चल/अचल संपत्तियों में लगातार अनियमित बंदर बाँट हो रहा है, और इस पर रोक लगाने वाली संस्थाएँ या तंत्र लगभग निष्क्रिय हैं। इसकी पृष्ठभूमि में आवश्यक है कि हर जिले में कलेक्टर के अधीन मठ-मंदिर एवं ट्रस्ट मामलों के लिए समर्पित अनुभवी व संवेदनशील कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए, जो इन मामलों को गंभीरता पूर्वक देखें।÷

लोक डोमेन में आए ट्रस्टों की जानकारी-धर्म स्तंभ काउंसिल और अखाड़ा ने यह भी माँग रखी कि सार्वजनिक न्यासों, मठ-मंदिर ट्रस्टों की संपत्तियाँ, आय और जनहित में किए गए कार्यों की जानकारी पब्लिक डोमेन में नियमित रूप से अपलोड की जाए। इसके लिए नयी कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता बताई गई है।

डॉ. सौरभ निर्वाणी ने बताया कि इस दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई है और शीघ्र ही इस दिशा में सरकारी स्तर पर ठोस निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

वर्षों से नहीं हुए चुनाव, विभाग उदासीन-धर्म स्तंभ काउंसिल ने इस गंभीर विषय पर भी ध्यान दिलाया कि, ÷प्रदेश में कई ट्रस्ट एवं सार्वजनिक न्यास ऐसे हैं, जिनमें वर्षों से चुनाव ही नहीं हुए हैं, न विभाग ने इस पर कोई चिंता दिखाई है, न उनकी कोई दिलचस्पी दिखती है। इससे पारदर्शिता और जन विश्वास पर गहरा आघात हुआ है।÷

*धर्म स्तंभ काउंसिल ने अपनी माँग में मध्य प्रदेश सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1951 (जो वर्तमान में छत्तीसगढ़ में लागू है) तथा भारतीय संविधान की धर्मिक स्वतंत्रता एवं आस्थात्मक संपत्ति के संरक्षण से जुड़ी धाराओं का भी हवाला दिया।

प्रमुख माँगें संक्षेप में: 1. प्रत्येक ज़िले में कलेक्टर के अधीन 3 समर्पित कर्मचारी नियुक्त किए जाएँ, जो केवल मठ-मंदिर एवं ट्रस्ट मामलों को देखें।

2. जन आस्था से प्राप्त संपत्तियों पर हो रहे अनियमित बँटवारे पर रोक के लिए निगरानी ढाँचा बने।

3. ट्रस्टों की संपत्तियाँ, आय और जनहित कार्यों की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

4. सभी ट्रस्टों में समय-समय पर चुनाव सुनिश्चित कराए जाएँ।

5. सार्वजनिक न्यास अधिनियम को सख्ती से लागू करने हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी हों।

धर्म स्तंभ कौंसिल के इस माँग पर रामजानकी मंदिर के महंत सुरेन्द्र दास ,थान खम्हारिया जमात मंदिर के महंत बसंत दास,महंत हेमंत दास,महंत गोविन्द दास त्यागी महादेवघाट सहित निर्मोही अखाड़ा अखाड़ा,निर्वाणी अखाड़ा,दिगंबर अखाड़ा ने इस माँग का समर्थन किया है।

ग्राम कातलबोड की बदहाल गली बना अमृतकाल का 'कड़वा सच, तीन पंचवर्षीय बीते, विकास आज भी दूर की कौड़ी

बेमेतरा/बालसमुंद /मूक पत्रिका

बेमेतरा जिले की बेमेतरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बालसमुंद के आश्रित ग्राम कातलबोड की एक गली आज भी बदहाली और उपेक्षा की दास्तान बयां कर रही है। कच्चे और कीचड़ से सने रास्ते, गड्ढों से भरी सड़क और बरसात में कीचड़ से लथपथ गलियों की तस्वीरें यह बताने को काफी हैं कि तीन पंचवर्षीय योजनाएं गुजरने के बाद भी यहां विकास की रफ्तार अब तक नहीं पहुंच पाई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई, पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

यह गली बरसात के दिनों में इतनी बदतर हो जाती है कि बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है और बुजुर्गों के लिए घर से निकलना भी खतरे से खाली नहीं होता। सरकार जहां एक ओर ÷विकसित भारत÷ और ÷अमृत काल÷ के सपने दिखा रही है, वहीं दूसरी ओर कातलबोड जैसे गांव इन दावों की सच्चाई पर सवाल खड़े कर रहे हैं। यह गांव आज भी बुनियादी सुविधा – समुचित सड़क मार्ग – से वंचित है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द इस गली का पक्का निर्माण कार्य शुरू हो ताकि उन्हें इस नारकीय स्थिति से राहत मिल सके। क्या ÷अमृत काल÷ का यही चेहरा है? कातलबोड की गलियां जवाब मांग रही हैं।

जगदलपुर नगर निगम के सभापति संग्राम सिंह राणा को समकालीन सूत्र की प्रति विजय सिंह ने भेट की

विजय सिंह की रचनाएं बस्तर के जनजीवन से उठती हैं-संग्राम सिंह

जगदलपुर/मूक पत्रिका

विजय सिंह 4 दशकों से रंग कर्म व साहित्य साधना के चितेरे कवि के रूप में उभर कर सामने आए हैं। रविवार को समकालीन सूत्र की प्रति भेट की गई।विजय सिंह का साहित्य पूरे देश में जाना जाता है उनकी रचनाएं प्राकृतिक पहाड़ों जंगलों कि उस परिभाषा में गढ़ते हैं जो बस्तर के सहज जीवन को सामने लाता है । संपादक विजय सिंह की समकालीन सूत्र पत्रिका पूरी देश में पढी जाती है जो जगदलपुर शहर से प्रकाशित होती है । नगर निगम जगदलपुर सभापति राजस्व संग्राम सिंह राणा ने कहा विजय सिंह की रचनाएं जीवन मूल्यों के वाहक और प्राकृतिक चेतना के कवि होने के कारण उन्हें इस समकाल के प्रकाशन में स्थान मिला है राणा ने कहा विजय सिंह बस्तर की उस माटी से जुड़े लेखक है जहां शानी एवं लाला जगदलपुरी की रचनाओं ने जन्म लिया है। विजय सिंह की कविताओं में पर्यावरण का स्पष्ट चिंतन दिखाई पड़ता है। उनकी रचनाओं में बस्तर का जनजीवन शब्दों से प्रस्तुत होता है। विजय सिंह की काव्य रचना बस्तर की बोलती माटी के शब्द है।

विधायक दीपेश साहू भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

सनातन परंपरा को सशक्त करता यह भव्य मंदिर - विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रवेली में बीते शनिवार को नवनिर्मित भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा एवं सम्मान समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं श्रद्धा भाव के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपेश साहू शामिल हुए।

विधायक साहू ने मंदिर परिसर में पहुंचकर भक्त माता कर्मा की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर पूजा-अर्चना की तथा समस्त क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि हमारी सनातन परंपरा, संस्कृति और सामाजिक चेतना का प्रतीक है। माता कर्मा नारी शक्ति, सेवा, श्रद्धा और त्याग की प्रतीक रही हैं। ऐसे पवित्र स्थल का निर्माण ग्राम रवेली में हुआ, यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इस मंदिर से जुड़कर आने वाली पीढ़ियाँ धर्म, संस्कृति और संस्कारों से जुड़ेंगी।÷अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और संस्कृति के संरक्षण हेतु कटिबद्ध है। हमारी सरकार ग्रामीण विकास, धार्मिक स्थलों के संरक्षण, गौ सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और किसान कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। आज जरूरत है कि हम सब मिलकर गांव-गांव में ऐसे सांस्कृतिक केंद्रों को विकसित करें, जहां श्रद्धा के साथ-साथ समाजिक समरसता का भी संचार हो।÷

विधायक साहू ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम रवेली जैसे गांवों में ऐसे भव्य मंदिरों का निर्माण न केवल धार्मिक चेतना को जाग्रत करता है, बल्कि गांव के सामाजिक ढांचे को भी मजबूत करता है। गौकरण साहू, अनिल साहू (परिक्षेत्र अध्यक्ष), गौकरण साहू, भकलूराम साहू, कविलास साई, पुसऊ राम साहू, दीनदयाल साहू, सरपंच सुन्दर यादव, सोसायटी अध्यक्ष, सालिक राम साहू, छन्नू लाल साहू, चून राम साहू, संतोष साहू, भूषण लात साहू सहित समस्त ग्रामवासी भारी संख्या में उपस्थित रहे।

लोकतंत्र सेनानी राधेश्याम शर्मा पंचतत्व में विलीन, राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

लोकतंत्र सेनानी एवं मीसाबंदी राधेश्याम शर्मा का रविवार को दुखद निधन हो गया। वे वर्षों से जनसेवा और लोकतंत्र के मूल्यों के लिए समर्पित रहे। उनका देहावसान समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। अकलतरा मुक्तिधाम में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। कलेक्टर जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, एसडीएम अकलतरा विक्रांत अंचल ,तहसीलदार एस बी सोनी सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि 26 जून को रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया था। शर्मा के निधन पर समस्त क्षेत्र में शोक की लहर है।

मन की बात : बस्तर के घाटकवाली गांव में सांसद कश्यप ने ग्रामीणों के साथ सुना कार्यक्रम

जगदलपुर /मूक पत्रिका

बस्तर जिले के घाटकवाली गांव में बीते रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का 123वां एपिसोड सामूहिक रूप से सुना गया।कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप ने ग्रामीणों के साथ हिस्सा लिया।सांसद महेश कश्यप ने ग्रामीणों एवं युवाओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उन पर चर्चा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा प्रधानमंत्री की बातों में केवल प्रेरणा ही नहीं, बल्कि हर वर्ग के कल्याण का मार्गदर्शन छिपा है। हमें इन संदेशों को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज के कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, आपातकाल की स्मृति, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, स्वदेशी को बढ़ावा, और समाजिक सुरक्षा योजनाओं की सफलता पर विशेष बल दिया।

सांसद महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। प्रधानमंत्री द्वारा बोरोलैंड के फुटबॉल टूर्नामेंट का उदाहरण यह दिखाता है कि हिंसा से विकास की ओर बढ़ा जा सकता है। बस्तर भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा मेघालय के ऐरी सिल्क, कलबुर्गी की रोटी, और अहमदाबाद के सिंदूर वन जैसे नवाचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि बस्तर के हस्तशिल्प, रेशम, और पारंपरिक खानपान को भी वैश्विक पहचान दिलाने के लिए वे स्वयं प्रयासरत हैं। सभी ने मिलकर 'मन की बात' के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

फुलवारी फाउंडेशन के तहत लोगो को किये जा रहे है पर्यावरण के प्रति जागरूक

बेमेतरा/पचभैया /मूक पत्रिका

फुलवारी फाउंडेशन पचभैया-अमचो द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वृहत रूप से वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है ।ज्ञात हो कि फुलवारी फाउंडेशन विगत 5 वर्षो से पर्यावरण की सुरक्षा एंव आसपास को हरियाली प्रदान करने की उद्देश्य से निरंतर आगे बढ रही है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस वर्ष भी स्कूल प्रांगण, मंदिर परिसर और सार्वजनिक स्थलों में अपने टीम के सदस्यों और प्रकृति प्रेमी लोगों के साथ मिलकर 10-10 पेड़ लगाने की लक्ष्य से कार्य कर रहे है । साथ ही साथ लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और इसे सहेजने का प्रयास निरंतर करते आ रहे है।फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क पौधे जैसे देववृक्ष पीपल, बरगद, निम,आम,जामुन, अमरूद, गुलमोहर, अर्जुन के साथ साथ सुंदर फूल भी प्रदान किया जा रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक विनय पाठक का मानना है कि इस तरह कार्य करने से लोगो मे पर्यावरण के प्रति जागरूकता आएगी एंव आसपास हरियाली रहेगी। समिति के सदस्य नुतेश्वर चंद्राकर का कहना है कि देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम के तहत अभियान चलाया जा रहा है।इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु अगर हम वृक्षारोपण करे तो निश्चित ही आने वाली पीढ़ी के लिए एक अच्छा संदेश होगा। इस मुहिम में फाउंडेशन की ओर से विनय पाठक, नुतेश्वर चंद्राकर,मनोज पाठक,डॉ कुलेश्वर, चेतेश्वर, भूपेंद्र,डुकेश्वर चंद्राकर का विशेष योगदान है।

बिजली आने-जाने की झंझट ही खत्म

'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' ने बीरेन्द्र राजपूत के घर में लाई ऊर्जा क्रांति

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति का प्रतीक बनकर उभर रही है। इस महत्वाकांक्षी योजना को अब केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार का भी प्रत्यक्ष सहयोग मिल रहा है। राज्य सरकार की ओर से दी जा रही अतिरिक्त सहायता से उपभोक्ताओं को डबल सब्सिडी का लाभ मिल रहा है, जिससे घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाना अब और भी आसान और किफायती हो गया है।

*इस योजना के तहत जिले के बेमेतरा शहर निवासी बीरेन्द्र राजपूत ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती राजपूत के नाम से 3.370 किलोवाट (चड्ढ) का सोलर पैनल जनवरी 2025 में स्थापित करवाया। उन्हें कुल ?78,000 की सब्सिडी मिली, जो आवेदन के मात्र 15 दिनों के भीतर सीधे उनके बैंक खाते में जमा हो गई।

*बीरेन्द्र बताते हैं कि उन्होंने इस योजना के तहत सौर पैनल लगवाने के बाद से बिजली बिल की चिंता से पूरी तरह छुटकारा पा लिया है। पिछले पाँच माह से उनका बिजली बिल या तो शून्य आया है, या बहुत ही कम। उन्होंने बताया कि उनके घर में 1 ॥क्क की पानी की मोटर, एसी और अन्य घरेलू उपकरण सहजता से चलते हैं और बिजली की आपूर्ति भी अब लगातार बनी रहती है।

*उपभोक्ता श्रीमती द्रौपति राजपूत द्वारा पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलो वॉट के प्लांट कैपेसिटी का ऑन ग्रिड कनेक्शन माह जनवरी में लिया गया था।माह मई 2025 तक सोलर पैनल द्वारा कुल 1160 यूनिट बिजली ग्रिड में सप्लाई किया गया है एवम ग्रिड से 1146 यूनिट बिजली उपयोग हेतु इंपोर्ट गया है।जिससे माह जनवरी से माह मई तक उपभोक्ता को मात्र कुल 90 रुपए का विद्युत बिल प्राप्त हुआ है

*बीरेन्द्र कहते हैं ङ्क ÷पहले अक्सर बिजली कट जाती थी। दिन-रात कभी भी लाइट चली जाती थी जिससे गुस्सा आता था, नींद में खलल पड़ती थी, बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती थी। लेकिन अब सोलर पैनल लगने के बाद बिजली आने-जाने की झंझट ही खत्म हो गई है। बच्चे रात में बिना रुकावट के पढ़ाई करते हैं और हम सब सुकून से रहते हैं।

*इस योजना ने उनके परिवार को न केवल सहज और सस्ती बिजली दी है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने का एहसास भी कराया है। पहले जहाँ मासिक बिजली बिल एक बड़ा खर्च होता था, अब वहीं सौर ऊर्जा से हर माह की बचत शुरू हो गई है।

*बीरेन्द्र राजपूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट करते हैं। उनका कहना है कि यह योजना आमजन के जीवन को वास्तव में बदल रही है, और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है।

*इस तरह प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना छत्तीसगढ़ में न केवल स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा कर रही है, बल्कि लोगों की आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ कर रही है। बीरेन्द्र राजपूत जैसे लाभार्थी इसकी जीवंत मिसाल हैं, जो इस योजना की सफलता की कहानी को नई ऊँचाइयों तक ले जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।